राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 31 अगस्त 2023 वर्ष–6,अंक–220 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ममता और नीतीश को जल्दी चुनाव का क्यों सता रहा है डर, मुंबई की मीटिंग में करेंगे चर्चा

ऐसी आशंका सबसे पहले नीतीश कुमार ने ही जून में दोहराई थी और कहा था कि यह जरूरी नहीं है कि लोकसभा के चुनाव अगले साल ही हों। ऐसा भी हो सकता है कि इन्हें पहले ही करा लिया जाए और ऐसा इसी साल हो।

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का कहना है कि लोकसभा चुनाव जल्दी हो सकते हैं। ऐसी आशंका सबसे पहले नीतीश कुमार ने ही जून में दोहराई थी और कहा था कि यह जरूरी नहीं है कि लोकसभा के चुनाव अगले साल ही हों। ऐसा भी हो सकता है कि इन्हें पहले ही करा लिया जाए और इस साल भी ये हो सकते हैं। इसी को आगे बढ़ाते हुए ममता बनर्जी ने पिछले दिनों कहा था कि सरकार पहले ही चुनाव करा सकती है क्योंकि वह तीन राज्यों में हार के बाद लोकसभा चुनाव में नहीं उतरना चाहती। उनकी इस आशंका के बाद नीतीश कुमार ने एक बार फिर से कहा कि चुनाव जल्दी हो सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि ममता बनर्जी और नीतीश कुमार चाहते हैं कि विपक्ष की मुंबई में 31 अगस्त और 1 सितंबर को होने वाली मीटिंग में भी जल्दी चुनाव की संभावना पर चर्चा की जाए। इस बार की बैठक में INDIA गठबंधन के दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर भी बात हो सकती है, जो एकता की सबसे अहम कड़ी होगा। यही वजह है कि नीतीश और ममता जल्दी चुनाव पर चर्चा चाहते हैं ताकि आगे सीटों के बंटवारे पर बात हो सके और चुनाव की तैयारियों में भी सारे दल जुट सकें।

इस मीटिंग में INDIA गठबंधन का लोगो, मुख्यालय और संयोजक फाइनल हो सकते हैं। कयास हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को ही संयोजक बनाया जा सकता है, जबकि 11 अन्य दलों से सह-संयोजक हो सकते हैं। हालांकि पेच सीटों पर ही फंसेगा क्योंकि बिहार, बंगाल, यूपी जैसे राज्यों में क्षेत्रीय दल खासे मजबूत हैं और कांग्रेस भी आसानी

से त्याग नहीं करना चाहेगी। पिछले दिनों अखिलेश यादव और ममता बनर्जी तो इस बात पर सहमत भी दिखे थे कि कांग्रेस को ऐसे राज्यों में क्षेत्रीय दलों को ही सपोर्ट करना चाहिए, जहां वह कमजोर है।

भाजपा और मोदी सरकार के इन कदमों से भी बढ़ी आशंका

जल्दी चुनाव होने का डर नीतीश और ममता बनर्जी जैसे नेताओं को इसलिए भी सता रहा है क्योंकि भाजपा की तैयारी भी तेज है। चर्चा है कि वह जल्दी ही लोकसभा उम्मीदवार भी तय करना शुरू कर देगी। यही नहीं जिस तरह एलपीजी गैस के दामों में 200 रुपये की कटौती की गई है और तमाम योजनाओं का खुद पीएम नरेंद्र मोदी उद्घाटन कर रहे हैं, उससे भी ऐसे कयास लग रहे हैं। भाजपा संसदीय दल की बैठकों में भी पीएम नरेंद्र मोदी सांसदों को लगातार संदेश देते रहे हैं कि वह जनता के बीच जाएं और सरकार की योजनाओं का प्रचार करें। साफ है कि भाजपा महीनों पहले से ही चुनावी मोड में है और इसी से विपक्ष की आशंकाओं को बल मिल रहा है।

एनएसजी कमांडो से हेलीपैड और सेफ हाउस तक, जी-20 समिट के वीवीआईपी की सुरक्षा को ये खास इंतजाम

नई दिल्ली। जी-20 समिट के दौरान आईटीपीओ में होने वाले सम्मेलन के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए जा रहे हैं। किसी भी तरह की इमरजेंसी से निपटने के लिए विशेष तौर पर हॉल संख्या 4 के पास हेलीपैड तैयार किया गया है। जरूरत पड़ने पर एनएसजी के विशेष कमांडो हेलीकॉप्टर की मदद से यहां ऑपरेशन चलाएंगे और वीवीआईपी को इसी हेलीकॉप्टर से सुरक्षित बाहर निकाला जाएगा। इसके लिए एनएसजी के कमांडो बीते दो माह से लगातार अभ्यास कर रहे हैं। आवश्यकता पड़ने पर वीवीआईपी की गाड़ी को भी हेलीकॉप्टर से लिफ्ट किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियां किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतना चाहती हैं। कुछ समय पहले गृह सचिव अजय भल्ला ने आईटीपीओ का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने पुलिस को सलाह दी थी कि इमरजेंसी के लिए हेलीपैड बनाने की संभावना देखी जाए। उनके निर्देश के बाद एनएसजी के साथ हुई बैठक में भी यह मुद्दा उठाया गया था। एनएसजी की तरफ से साफ किया गया था कि आपात स्थिति में हेलीकॉप्टर से ही उन्हें ऑपरेशन चलाना होगा। इसलिए प्रगति मैदान में हेलीपैड बनाया जाए। सूत्रों ने बताया कि हॉल संख्या 4 के समीप हेलीपैड तैयार कर लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि आपातकालीन हालात से निपटने के लिए आईटीपीओ से लेकर होटलों, एयरपोर्ट और राजघाट के पास सुरक्षित जगह (सेफ हाउस) बनाए गए हैं, ताकि तत्काल वीवीआईपी को वहां शिफ्ट किया जा सके। आतंकी हमले से निपटने के लिए एनएसजी के 200 कमांडो दिल्ली में तैनात रहेंगे। हाल ही में उन्होंने अक्षरधाम में भी हेलीकॉप्टर से बचाव ऑपरेशन के लिए अभ्यास किया गया है। ड्रोन हमले से भी निपटने के लिए एनएसजी की विशेष टीम यहां तैनात रहेगी।

एनडीआरएफ की टीम भी मुस्तैद रहेगी-

सूत्रों ने बताया कि बेहद महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम होने के चलते आतंकी हमले की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए सुरक्षा को हर तरह से मजबूत किया जा रहा है।

बिहार में भीषण हादसा, हाइवे पर कंटेनर में घुसी स्कॉर्पियो

सात लोगों की मौत

सासाराम। बिहार के सासाराम में भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और चार लोग गंभीर घायल है। हादसा रोहतास जिले के शिवसागर थाना इलाके में नेशनल हाइवे नंबर 2 पर बुधवार अलसुबह करीब 3 बजे हुआ। एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार हाइवे पर कंटेनर में घुस गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग फंस गए। बड़ी मशक्कत के बाद उन्हें निकालकर अस्पताल ले जाया गया। मरने वालों में तीन बच्चे एवं दो महिलाएं शामिल हैं। सभी मृतक कैमूर जिले के बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार सुदेश्वर शर्मा अपने परिवार के साथ बोधगया से अपने गांव कैमूर जिला के सबार थाना क्षेत्र के कुराड़ी वापस लौट रहे थे। तभी

अहले सुबह स्कार्पियो चालक को झपकी आ गई, और उनकी गाड़ी आगे जा रही एक कंटेनर में पीछे से जा भिड़ी। घटना में स्कार्पियो के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। टोल प्लाजा के हाईड्रा गाड़ी से स्कार्पियो को कंटेनर से बाहर खींच कर निकाला गया। हादसे में छह की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। जबकि एक की मौत सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। चार लोग बुरी तरह से घायल हैं। हादसे में सुदेश्वर शर्मा की पत्नी राजमुनि देवी (50) बेटी प्रेमलता (35) एवं बेटे रविनंदन कुमार (30) की मौत हो गई है। वहीं, आदित्य कुमार 12 वर्षीय पिता अरविंद शर्मा की भी मौत हुई है। दुर्घटना में 16 साल के किशोर एवं 5 साल के बच्चे की भी मौत हुई है। सुद्धेश्वर शर्मा गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दुर्घटना में एक ही परिवार के सात लोगों की मौत के बाद परिजन एवं गांव में हाहाकार मच गया है।

जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य बना दिया जाएगा, 31 अगस्त को विस्तृत बयान देगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की किस समय सीमा के बारे में सोचता है, इसके बारे में उसे आधिकारिक तौर पर अवगत कराये। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्य कांत की संविधान पीठ ने अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल से कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य बनाने के लिए कोई समय सीमा है तो वे केंद्र से निर्देश प्राप्त कर शीर्ष अदालत को अवगत करायें।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मुद्दे पर उच्चतम स्तर पर निर्देश प्राप्त करने के बाद अपना रुख स्पष्ट करने के लिए 31 अगस्त तक का समय मांगा। उन्होंने कहा कि वह 31 अगस्त को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की केंद्र शासित प्रदेश की स्थिति के भविष्य पर एक विस्तृत बयान देंगे।

संविधान पीठ अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। संविधान पीठ ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बचाव में सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद उनसे केंद्र सरकार का जम्मू कश्मीर को फिर राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में आधिकारिक बयान देने को कहा।

शीर्ष अदालत ने केंद्र से सवाल किया, क्या

संसद के पास मौजूदा भारतीय राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने की शक्ति है।

इस पर श्री मेहता ने जवाब दिया कि जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने का फैसला स्थायी नहीं है। उन्होंने कहा, जब चीजें सामान्य हो जाएंगी तो जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य बना दिया जाएगा। सॉलिसिटर जनरल ने संविधान पीठ को बताया कि सदन (सांसद) में भी एक बयान दिया गया है और प्रयास किए जा रहे हैं। एक बार प्रयास सफल हो जाएं और स्थिति सामान्य हो जाए तो हम इस (राज्य बनाने) पर विचार करेंगे।

श्री मेहता ने कहा, ÷हम हमेशा राष्ट्रीय एकता के पक्ष में हैं। मैं चुनाव और राजनीति की बात नहीं करूंगा। मैं राष्ट्रीय एकता के मुद्दे पर बात करूंगा। इसमें लोगों की भलाई का ध्यान रखा जा रहा है।÷

इस पर पीठ ने कानून अधिकारी से कहा कि लोकतंत्र की बहाली भी महत्वपूर्ण है।

पीठ ने कहा, ÷लोकतंत्र की बहाली भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। हमारे पास ऐसी स्थिति नहीं हो सकती, जहां ...कुप्रबंधन (अव्यवस्था) हो।

श्री मेहता ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के 5 अगस्त 2019 के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि 2020 में दशकों में पहली बार स्थानीय निकाय चुनाव हुए और कोई हड़ताल, कोई पथराव, कोई कर्फ्यू नहीं लगाना पड़ा।

उन्होंने विकास कार्यों का हवाला देते हुए शीर्ष अदालत को बताया, नए होटल बनाए जा रहे हैं। फैसले (अनुच्छेद 370 को निरस्त करने) से सभी को फायदा हुआ है। सॉलिसिटर जनरल ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में पुनर्गठित करना उसी पैटर्न का पालन करता है, जैसा 1966 में सरकार ने पंजाब को विभाजित करके हरियाणा और चंडीगढ़ केंद्रशासित प्रदेश बनाने के लिए अपनाया था, जब यह राष्ट्रपति शासन के अधीन था।

31 अगस्त से देश के कई राज्यों में बारिश का अलर्ट, 3 सितंबर तक बरसेंगे बादल

नई दिल्ली। हिमालय की तलहट्टी में अगले 4 दिनों तक मानसून टर्फ की स्थिति बनी रह सकती है। इसके उत्तर की तरफ बढ़ने की भी संभावना है। इसके कारण देश के कुछ हिस्सों में हल्की से मूसलाधार बारिश हो सकती है। मौसम विज्ञान विभाग ने 30 अगस्त को जो मौसम रिपोर्ट जारी किया है उसके मुताबिक अगले कुछ दिनों तक देश के कुछ हिस्सों में बारिश का पूर्वानमुान लगाया है। आईएमडी की रिपोर्ट के मुताबिक, असम और मेघालय में 31 अगस्त लेकर 3 सितंबर तक भारी बारिश हो सकती है। वहीं, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी अगले पांच दिनों तक अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश की

संभावना है। इसके साथ ही आईएमडी ने यह भी कहा है कि पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 31 अगस्त और ओडिशा में 2 और 3 अगस्त को भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने अपनी आज की रिपोर्ट में कहा है कि तमिलनाडु, पुदुचेरी, केरल और आंध्र प्रदेश में भी बारिश का पूर्वानुमान किया है। वहीं, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर और उसके आसपास के राज्यों में बारिश को लेकर कोई अलर्ट नहीं जारी किया गया है।

बिहार में राखी से छठ तक की छुट्टियों में कटौती, भड़के गिरिराज सिंह ने कहा- लागू होगा शरिया

पटना। बिहार के सरकारी स्कूलों में छुट्टियां में कटौती की गई है। रक्षाबंधन के मौके पर सरकारी स्कूलों में अब अवकाश नहीं रहेगा। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के निर्देश के बाद माध्यमिक शिक्षा कार्यालय की ओर से स्कूलों की छुट्टियों में बदलाव किया गया है। इस साल दिवाली से छठ तक विभिन्न पर्व एवं त्योहारों पर छुट्टियां घटाकर आधी कर दी गई हैं। इस मुद्दे पर अब राजनीति भी शुरू हो गई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए इसकी तुलना शरिया कानून से की है।

राज्य के माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों में 31 अगस्त को छुट्टी घोषित थी, जिसमें अब बदलाव कर दिया गया है। शिक्षा विभाग ने मंगलवार की शाम को अभी से लेकर दिसंबर तक स्कूलों की छुट्टी में कटौती का आदेश जारी किया है। अभी से दिसंबर तक

● हिंदू पर्व त्योहारों पर छुट्टियों में कटौती के बाद नीतीश सरकार बीजेपी के निशाने पर आ गई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने ट्वीट कर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। कल संभव है कि बिहार में शरिया लागू कर दिया जाए और हिंदू त्योहार मनाने पर रोक लग जाए।

दिवाली-छठ समेत विभिन्न पर्व-त्योहारों पर स्कूलों में 23 छुट्टियां थीं, जिन्हें घटाकर 11 कर दिया गया है। इस सूची में रक्षाबंधन पर छुट्टी को शामिल ही नहीं किया गया है।

विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के निर्देश पर प्रारंभिक से उच्च माध्यमिक तक के स्कूलों में छुट्टियों की नई तिथि जारी की गई है। दुर्गापूजा में स्कूलों में पहले 6 दिनों की छुट्टी थी, जिसे अब रविवार जोड़कर तीन दिनों का किया गया है। पहले दिवाली से छठ में 13 नंवबर से 21 नवंबर तक छुट्टी थी। अब दिवाली पर 12 नवंबर, चित्रगुप्त पूजा पर 15 नवंबर और छठ पूजा पर 19 एवं 20 नवंबर को छुट्टी रहेगी।

आज संभव है शरिया कानून ही लागू हो जाए- गिरिराज सिंह

हिंदू पर्व त्योहारों पर छुट्टियों में कटौती के बाद नीतीश सरकार बीजेपी के निशाने पर आ गई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने ट्वीट कर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। कल संभव है कि बिहार में शरिया लागू कर दिया जाए और हिंदू त्योहार मनाने पर रोक लग जाए।

विभाग ने कहा है कि शिक्षा का अधिकार कानून 2009 में पहली से 5वीं तक कम-से-कम 200 दिन तथा छठी से आठवीं तक कम-से-कम 220 दिनों के कार्यदिवस का प्रावधान है। राज्य के सरकारी कर्मी रक्षाबंधन के अवसर पर 30 अगस्त की जगह अब 31 अगस्त को प्रतिबंधित अवकाश ले सकेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी।

दुनिया में पहली बार 7 मिनट में मिलने जा रहा कैंसर का उपचार, पेशकश करने वाला ब्रिटेन पहला देश

नई दिल्ली। दुनियाभर में ब्रिटेन ऐसा पहला देश बनने जा रहा है जो अपने देश के कैंसर मरीजों को सात मिनट के अंदर उसके उपचार की दवाई इंजेक्ट करेगा। ब्रिटेन की सरकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा दुनिया की पहली ऐसी सेवा बनने जा रही है जो एक इंजेक्शन से देश में सैकड़ों कैंसर रोगियों का इलाज कम समय में कर सकती है और इलाज का समय तीन चौथाई तक कम कर सकती है। ब्रिटिश मेडिसिन्स एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, NHS ने मंगलवार को कहा कि जिन सैकड़ों कैंसर मरीजों का इलाज इम्यूनोथेरेपी से किया जा रहा था, उन्हें अब त्वचा के नीचे एटेज़ोलिज़ुमैब के इंजेक्शन दिए जाने की तैयारी है। इससे कैंसर के इलाज में समय की कटौती हो सकेगी।

NHS ने कहा कि एटेज़ोलिज़ुमैब, जिसे टेकेंट्रिक भी कहा जाता है, आमतौर पर रोगियों को सीधे ड्रिप के माध्यम से उनकी नसों में दिया जाता है। इस प्रक्रिया में कुछ रोगियों के लिए लगभग 30 मिनट या एक घंटे तक का समय लगता है। कई रोगियों में यह समय ज्यादा भी लगता है, जब उनकी नसों तक दवा पहुंचना मुश्किल हो जाता है लेकिन नई विधि से अब इस दवा को नसों में नहीं देकर त्वचा के नीचे इंजेक्ट कर दिया जाएगा। इंगलैंड ऐसा करने वाला पहला देश होगा। टेकेंट्रिक एक मोनोक्लोनल एंटीबॉडी है जो कैंसर मरीजों के शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली के कार्यों को प्रभावित करता है।

रॉयटर्स के मुताबिक, वेस्ट सफ़ोल्क

NHS ने कहा कि एटेज़ोलिज़ुमैब, जिसे टेकेंट्रिक भी कहा जाता है, आमतौर पर रोगियों को सीधे ड्रिप के माध्यम से उनकी नसों में दिया जाता है। इसमें कुछ रोगियों के लिए लगभग 30 मिनट या एक घंटे का समय लगता है।

एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट के सलाहकार ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ अलेक्जेंडर मार्टिन ने कहा, यह मंजूरी न केवल हमें अपने मरीजों के लिए सुविधाजनक और तेज देखभाल करने की अनुमति देगी, बल्कि हमारी टीमों को दिन भर में अधिक मरीजों का इलाज करने में सक्षम बनाएगी। रोशे प्रोडक्ट्स लिमिटेड के मेडिकल डायरेक्टर मारियस शोल्ट्ज़ ने कहा, इसमें लगभग सात मिनट लगते हैं, जबकि वर्तमान ड्रिप विधि में 30 से 60 मिनट लगते हैं।

एटेज़ोलिज़ुमाब, जो रोश कंपनी जेनेंटेक की रीढ़ रही है, एक इम्यूनोथेरेपी दवा है जो रोगियों की प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर कोशिकाओं को खोजने और नष्ट करने के लिए सशक्त बनाती है। इसका उपयोग वर्तमान में, विभिन्न प्रकार के कैंसर से पीड़ित रोगियों को उपचार की पेशकश की जाती है, जिसमें फेफड़े, स्तन, यकृत और मूत्राशय के कैंसर शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जाति-गणना के सवाल

बिहार में जातिगत सर्वे का कार्य जब पूरा हो चुका है, तब इसके प्रकाशन को रुकवाने के इरादे से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका के संदर्भ में केंद्र सरकार ने अपना जो पक्ष रखा है, उससे एक बार फिर जातीय गणना को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है, राज्य सरकार और केंद्र के बीच टकराव की स्थिति तो खैर बनी ही है। केंद्र की दलील है कि जनगणना कानून 1948 के तहत सिर्फ केंद्र सरकार जनगणना करा सकती है और दूसरी कोई संस्था यह कवायद नहीं कर सकती, वहीं बिहार सरकार का दावा है कि यह जनगणना है ही नहीं, बल्कि एक जातीय-सामाजिक सर्वे है, जो राज्य में हाशिये के लोगों के कल्याण के लिए विशेष नीति बनाने के मकसद से प्रेरित है। अब यह मामला शीर्ष अदालत में है, तो जाहिर है, उसके फैसले के बाद ही इसकी वैधानिकता अंतिम रूप से तय हो सकेगी। मगर इस पूरे प्रकरण के राजनीतिक निहितार्थ कहीं अधिक गहरे हैं। दरअसल, बिहार और पूरे देश में धर्म व जाति की गोलबंदी में जुटी राजनीतिक पार्टियां इस गणना के सियासी नफे-नुकसान से बखूबी वाकिफ हैं और आगामी आम चुनाव में इनके इस्तेमाल का मौका वे अपने हाथ से जाने नहीं देना चाहतीं। इसीलिए जातीय गणना का सवाल सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं रहा। मध्य प्रदेश में अब कांग्रेस अपनी सरकार बनने की सूरत में जातिगत गणना कराने का वादा कर रही है। पिछले दिनों सागर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसकी स्पष्ट घोषणा की। विपक्षी दलों के महागठजोड़ 'इंडिया' के एजेंडे में भी यह एक अहम मुद्दा बनता जा रहा है। मगर 2024 के आम चुनाव को 'मंडल बनाम कमंडल' की पार्ट-2 लड़ाई बनाने में जुटी पार्टियों को नहीं भूलना चाहिए कि पिछले तीन दशकों में मतदाता बहुत परिपक्व हो चला है और एक के बाद दूसरे विधानसभा चुनावों में वह इसका प्रदर्शन भी कर चुका है। जातीय गणना को लेकर खड़े हुए ताजा विवाद ने राष्ट्रीय जनगणना के सवाल को भी जिंदा कर दिया है। आखिर कोरोना के कारण अपने तय समय पर न हो पाई यह जरूरी कवायद अब कब होगी? इतना तो स्पष्ट है कि अगले आम चुनाव से पहले अब यह काम संभव नहीं। ऐसे में, राज्य सरकारों के पास आधिकारिक डाटा जुटाने के लिए और क्या विकल्प बचता है? साल 2011 की जनगणना के बाद राज्यों में काफी प्रगति हुई है और उसके आंकड़ों से तरक्की की धारा में पीछे रह गए लोगों को सही-सही लक्षित कर पाना कठिन है, जबकि उनके उत्थान के लिए कार्यक्रम चलाना राज्यों का दायित्व भी है और जरूरत भी। बेहतर होता कि जातीय गणना को सियासी फुटबॉल बनाने के बजाय एक ईमानदार कोशिश के तौर पर पेश किया जाता। जब राष्ट्रीय जनगणना में धर्मों की गिनती से हमारे सामाजिक ताने-बाने को कोई नुकसान नहीं पहुंचता, तो कोई कारण नहीं कि जातियों की गिनती से अराजकता फैल जाए। जाति व समुदाय सामाजिक सच्चाई हैं, उनके आधार पर हमारे देश में आरक्षण की सांविधानिक व्यवस्था भी है। सटीक आंकड़े इस व्यवस्था के लिहाज से भी जरूरी हैं। अपने अधिकारों के प्रति जागरूक समाज लोकतंत्र की कामयाबी की पहली शर्त है। इसलिए संकीर्ण ध्रुवीकरण के नजरिये से देखने के बजाय जाति के मुद्दे को सामाजिक उत्थान की दृष्टि से देखा जाना चाहिए, ताकि भविष्य में फिर कभी न अदालतों का वक्त जाया हो और न ही लोग किसी छलावे के शिकार बन सकें।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

भारत के प्रति पश्चिमी देशों को बदलना होगा अपना नजरिया

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

अंततः भारत चल पड़ा है विश्व गुरु बनने की राह पर। परंतु, पश्चिमी देशों में कुछ विघनसंतोषी जीवों को शायद यह रास नहीं आ रहा है क्योंकि भारत, ब्रिटेन का कभी औपनिवेशिक देश रहा है और इन देशों की नजर में यह कैसे हो सकता है कि ब्रिटेन के चन्द्रमा पर पहुंचने के पूर्व ही उनका एक पूर्व औपनिवेशक देश अपना चन्द्रयान-3 सफलता पूर्वक चन्द्रमा पर उतार ले। भारत, पूरे विश्व में, पहिला देश है जिसने चन्द्रयान-3 को चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर सलतापूर्वक उतार लिया है। अन्यथा, विश्व का कोई भी देश, अमेरिका, रूस एवं चीन सहित, अभी तक चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर अपना यान उतारने में सफल नहीं हो सका हैं। निश्चित ही भारत की यह सफलता न केवल भारत के लिए बल्कि विश्व के समस्त देशों के लिए गर्व का विश्व होना चाहिए। यदि चन्द्रयान-3 अपने उद्देश्यों में सफल हो जाता है जैसे चन्द्रमा पर पानी उपलब्ध है अथवा नहीं, चन्द्रमा पर किस प्रकार के खनिज पदार्थ (सोना, प्लेटिनम, टाइटेनियम, यूरेनियम, आदि), रासायनिक पदार्थ, प्राकृतिक तत्व, मिट्टी एवं अन्य तत्व पाए जाते हैं, आदि का पता लगने पर क्या इस जानकारी का लाभ केवल भारत को ही होने जा रहा है अथवा क्या विश्व के अन्य देश भी इस जानकारी का लाभ उठा सकने की स्थिति में नहीं होंगे। परंतु, पश्चिमी देशों में कुछ तत्व भारत की इस महान उपलब्धि को सकारात्मक दृष्टि से न देखते हुए इस संदर्भ में अपनी नकारात्मक सोच को आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहे है, और सम्भव है कि भारत के प्रति उनकी यह नकारात्मक सोच इन देशों के लिए भविष्य में हानिकारक सिद्ध हो।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक कार्टून छापा है जिसमें बताया गया है कि विशिष्ट वर्ग के दो नागरिक एक कक्ष (कैबिन) में बैठे हैं एवं इनमें से एक संभ्रात व्यक्ति एक अखबार में भारत के मंगल मिशन के सम्बंध में जानकारी पढ़ रहा है। इस कक्ष के बाहर भारतीय गरीब किसान के रूप में एक गाय को लेकर एक व्यक्ति दरवाजे के बाहर खड़ा है, जो दरवाजे पर दस्तक देता हुआ दिखाई दे रहा है। इस कार्टून से ऐसा महसूस कराए जाने का प्रयास किया जाना प्रतीत हो रहा है कि जैसे एक गरीब भारत देश, पश्चिमी देशों से अपने मंगल मिशन के लिए सहायता मांग रहा हो। संभवतः भारत के चन्द्रयान-3 की सफलता को पश्चिमी देशों में कुछ तत्व पचा नहीं पा रहे हैं। एक ब्रिटिश पत्रकार पेट्रिक क्रिस्टी ने भारत को चन्द्रयान-3 को चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर सफलता पूर्वक उतारे जाने की बधाई देते हुए यह मांग की है कि ब्रिटेन द्वारा भारत को उपलब्ध कराई जा रही आर्थिक सहायता राशि को वापिस लिया जाना चाहिए क्योंकि उसके अनुसार चूंकि भारत की आधी आबादी गरीबी का जीवन जी रही है अतः ब्रिटेन द्वारा भारत को दी जा रही आर्थिक सहायता राशि का उपयोग भारत में गरीबी मिटाने के उद्देश्य से न किया जाकर अंतरिक्ष में अपने चन्द्रयान भेजने के लिए किया जा रहा है। इस ब्रिटिश पत्रकार का दावा है कि ब्रिटेन द्वारा भारत को वर्ष 2016 से वर्ष 2021 के बीच 230 करोड़ ब्रिटिश पाउंड की राशि आर्थिक सहायता के रूप में उपलब्ध कराई गई है। उक्त पत्रकार का यह भी कहना है कि यदि भारत अपने राकेट को अंतरिक्ष में भेज रहा है तो भारत को ब्रिटेन के पास कटोरा लेकर मदद के लिए नहीं आना चाहिए। जबकि इस संदर्भ में वास्तविकता यह है कि भारत कभी भी ब्रिटेन के पास आर्थिक सहायता मांगने के लिए गया ही नहीं है। इस संदर्भ में ब्रिटेन द्वारा सरकारी तौर पर उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार ब्रिटेन ने भारत को किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई हैं परंतु ब्रिटेन ने वर्ष 2015 के बाद से भारत में व्यवसाय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निवेश जरूर किया है ताकि भारत के बाजार में ब्रिटेन का योगदान बढ़ सके एवं ब्रिटेन के नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर निर्मित हो सकें।

यह भी एक वास्तविकता है कि भारत आज विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और इस संदर्भ में हाल ही में भारत ने ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए अपनी अर्थव्यवस्था को आकार में ब्रिटेन से भी बड़ी अर्थव्यवस्था बना लिया है। परंतु, कुछ ब्रिटिश राजनीतिज्ञ एवं पत्रकार इस तथ्य को स्वीकार ही नहीं कर पा रहे हैं और वे अपनी साम्राज्यवादी सोच से भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं। ऐसे तत्व आज भी भारत को अपनी एक कालोनी (उपनिवेश) के रूप में ही देख रहे हैं और सोच रहे हैं कि भारत कैसे ब्रिटेन से पहिले चन्द्रमा पर पहुंच सकता है। जबकि आज वस्तुस्थिति यह है कि ब्रिटेन की आर्थिक हालत इतनी अधिक खराब हो गई है कि ब्रिटेन के नागरिकों को अपने बिजली के बिल का भुगतान करने के लिए भी ऋण लेना पड़ रहा है।

पश्चिमी देशों को अब यह समझना होगा कि यह 21वीं सदी है एवं वैश्विक पटल पर भारत अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए आगे बढ़ चुका है। यह पश्चिमी देशों के हित में ही होगा कि वे भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनें एवं अपने आर्थिक हितों को भी बल प्रदान करें, इस बात को जितनी जल्दी समझें उनके लिए उतना ही अच्छा है क्योंकि अन्यथा वे स्वयं के आर्थिक हितों को नुक्सान ही पहुंचा रहे होंगे। क्या ब्रिटेन इस बात को भूल गया है कि औपनिवेशक खंडकाल में उसने भारत पर शासन के दौरान वर्ष 1765 से लेकर वर्ष 1938 तक भारत से 45 लाख करोड़ पाउंड की लूट की है (यह तथ्य एक अधय्यन प्रतिवेदन में सामने आया है), हो सकता है यह राशि और भी अधिक रही हो। परंतु, उक्त राशि भी ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का 15 गुणा है। उक्त राशि को ब्रिटेन द्वारा भारत को लौटाए जाने पर भी विचार किया जाना चाहिए। ब्रिटेन द्वारा भारत में की गई भारी लूट के बावजूद भारत एक बार पुनः अब अपने पैरों पर खड़ा हो चुका है एवं भारत को अपने मिशन चन्द्रमा ग्रह, मिशन मंगल ग्रह एवं मिशन सूर्य ग्रह पर पश्चिमी देशों के दर्शन की आवश्यकता नहीं है। भारत को वैसे भी अब अंतरिक्ष के क्षेत्र में नित नयी सफलता की कहानियां गढ़ने की आदत पड़ चुकी है, और फिर चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर चन्द्रयान-3 को सफलता पूर्वक उतारना तो एक शुरुआत भर है।

भारत का मिशन चन्द्रयान-3 तुलनात्मक रूप से बहुत किफायती रहा है। इस पूरे मिशन पर केवल लगभग 615 करोड़ रुपए की लागत आई है, जबकि अन्य देशों यथा अमेरिका, रूस एवं चीन की इस तरह के मिशनों पर हजारों करोड़ रुपए की लागत आती रही है। साथ ही, चन्द्रयान-3 ने 14 जुलाई 2023 को आन्ध्रप्रदेश के श्रीहरीकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अपनी यात्रा प्रारम्भ की थी और केवल 41 दिनों के बाद, 23 अगस्त 2023 को चन्द्रयान-3 ने चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर सफलता पूर्वक अपनी लैंडिंग सम्पन्न कर एक नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। इसरो ने चंद्रयान-3 की लैंडिंग के लिए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव को इसलिए चुना क्योंकि सूर्य द्वारा कम प्रकाशित होने के संबंध में दक्षिणी ध्रुव को एक विशिष्ट लाभ प्राप्त है। इसरो के अध्यक्ष इस सम्बंध में कहते हैं कि चंद्रमा मिशन पर कार्य कर रहे वैज्ञानिकों ने दक्षिणी ध्रुव में बहुत रुचि दिखाई क्योंकि अंततः मनुष्य वहां जाकर उपनिवेश बनाना चाहते हैं और फिर उससे आगे की यात्रा करना चाहते हैं। इसलिए इसरो चन्द्रमा पर सबसे अच्छी जगह की तलाश कर रहा हैं और चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव में वह क्षमता है। चन्द्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर के पास दो उपकरण हैं, दोनों चंद्रमा पर मौलिक संरचना के निष्कर्षों के साथ-साथ रासायनिक संरचनाओं से संबंधित हैं। अतः यह चन्द्रमा की सतह पर चक्कर लगाकर उक्त विषयों पर जानकारी भारत को उपलब्ध कराएगा।

वैसे भी देखा जाय तो अमेरिका के अंतरिक्ष केंद्र नासा में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के इंजीनियर्स कार्यरत हैं जबकि भारत के अंतरिक्ष केंद्र इसरो में सम्भवतः एक भी अमेरिकी इंजीनियर कार्यरत नहीं है। अर्थात, पश्चिमी देशों के अंतरिक्ष से जुड़े विभिन्न मिशनों में भारतीयों का सीधा सीधा योगदान रहता आया है। भारत के इसरो प्रमुख का तो यहां तक कहना है कि आधुनिक विज्ञान की उत्पत्ति वेदों से हुई है, परंतु पश्चिमी देशों ने इसे अपनी खोज की तरह प्रस्तुत किया है। अतः इस संदर्भ में कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि अंतरिक्ष से जुड़े पश्चिमी देशों के विभिन्न मिशन अपरोक्ष रूप से भारत के सहयोग से ही चल रहे हैं जबकि इस क्षेत्र में भारत के विभिन्न मिशन अपने बलबूते पर चल रहे हैं। अब पश्चिमी देशों को इस वस्तुस्थिति से अवगत होना बहुत जरूरी है।

वैसे भी अंतरिक्ष के क्षेत्र में हाल ही के समय में भारत का एक तरह से वर्चस्व स्थापित होता दिखाई दे रहा है। आज पूरी दुनिया ही अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत का लोहा मानने लगी है। भारत ने इस क्षेत्र में अमेरिका, रूस एवं चीन जैसे देशों के एकाधिकार को तोड़ा है। भारत आज समूचे विश्व में सैटेलाइट के माध्यम से टेलीविजन प्रसारण, मौसम के सम्बंध में भविष्यवाणी और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है और चूंकि ये सभी सुविधाएं उपग्रहों के माध्यम से ही संचालित होती हैं, अतः संचार उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने की मांग आज समस्त देशों के बीच बढ़ रही है। चूंकि भारतीय तकनीक तुलनात्मक रूप से बहुत सस्ती है अतः कई देश अब इस सम्बंध में भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इन परिस्थितियों के बीच चंद्रयान-3 की कम लागत में सफल लैंडिंग के बाद व्यवसायिक तौर पर भारत के लिए संभावनाएं पहले से अधिक बढ़ गयी है। आज भारतीय इसरो की, कम लागत और सफलता की गारंटी, सबसे बड़ी ताकत बन गयी है। अंतरिक्ष बाजार में भारत की धमक का यह स्पष्ट संकेत दिखाई दे रहा है और इस क्षेत्र में भारत एक धूमकेतु की तरह बनकर उभरा है। भारतीय इसरो अपने 100 से ज्यादा अंतरिक्ष अभियान, चन्द्रमा मिशन, मंगल मिशन, स्वदेशी अंतरिक्ष शटल, एवं चन्द्रयान-3 सहित, सफलतापूर्वक सम्पन्न कर चुका है।

राजस्थान में परिवर्तन यात्राओं के सहारे भाजपा

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान भाजपा में आपसी गुटबाजी खुलकर उजागर हो रही है। विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित सभी बड़े नेता अपने को फ्रंट में लाने के प्रयास में लगे हुयें हैं। वसुंधरा समर्थको को मानना है कि उनको ताकत दिखाने का अब अंतिम अवसर है। यदि इस बार चूक गए तो फिर मुख्य धारा की राजनीति में पिछड़ जाएंगे। वसुंधरा समर्थक कई विधायकों को तो इस बात का डर भी सता रहा है कि यदि मैडम राजनीतिक रूप से कमजोर होती है तो उनकी टिकट भी खतरे में पड़ सकती है। इसीलिए वसुंधरा के सभी समर्थक जोर दे रहे हैं की मैडम पार्टी आलाकमान से दो टूक बात करें।

पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व भी राजस्थान में भाजपा की फूट को लेकर पूरी तरह सतर्क है। भाजपा आलाकमान जानता हैं कि राजस्थान भाजपा में सभी नेताओं के अपने-अपने गुट बने हुए हैं। जिसके चलते सभी एक दूसरे की टांग खींचाई करने में लगे हुए हैं। भाजपा ने अपने प्रादेशिक नेताओं की आपसी खेतान के चलते ही प्रदेश के चार क्षेत्रों में निकली जाने वाली परिवर्तन संकल्प यात्रा का नेतृत्व किसी भी बड़े नेता को नहीं सौंपा है। भाजपा चारों यात्राओं का नेतृत्व सामूहिक रूप से करने का निर्णय लिया है। ताकि यात्रा के बहाने कोई नेता खुद को बडा नहीं दिखा सके। यात्रा के संयोजन की जिम्मेदारी पार्टी ने दूसरी पंक्ति के नेताओं को दी है ताकि बिना गुटबाजी के यात्राओं का समापन हो सके।

ऐसे में अब पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन मेघवाल, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया सहित किसी भी अन्य नेता के बीच मुख्यमंत्री बनने की होड़ खत्म हो गई है। अब अगर पार्टी सत्ता में आती है तो शीर्ष नेतृत्व ही तय करेगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा।

भाजपा की ओर से निकाली जाने वाली परिवर्तन यात्रा को लेकर चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने बताया कि भाजपा प्रदेश में आगामी दो सितंबर से परिवर्तन यात्रा की शुरूआत करेगी। यह यात्रा चार अलग-अलग स्थानों और दिशाओं से प्रदेश भाजपा के सामूहिक नेतृत्व में 8,982 किलोमीटर का सफर तय कर प्रदेश की 200 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। परिवर्तन यात्रा के दौरान किसान चैपाल, युवा मोटरसाईकिल रैली, महिलाओं की बैठक और दलित चैपालें भी आयोजित होंगी।

पहली परिवर्तन संकल्प यात्रा दो सितंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में त्रिनेत्र गणेश मंदिर रणथंबौर सवाईमाधोपुर से प्रारंभ होगी। जिसमें भाजपा का प्रदेश नेतृत्व मौजूद रहेगा। प्रथम परिवर्तन यात्रा 18 दिनों में 1847 किलोमीटर चलकर भरतपुर संभाग, जयपुर संभाग एंव टोंक जिले की 47 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा के संयोजक भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी व सह संयोजक भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र गोठवाल होंगे। दूसरी परिवर्तन यात्रा तीन सितंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में बेणेश्वर धाम डूंगरपुर से प्रारंभ होगी। दूसरी यात्रा के दौरान 19 दिनों में 2433 किलोमीटर चलकर उदयपुर संभाग, कोटा संभाग और भीलवाडा जिले की कुल 52 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा का संयोजक प्रदेश उपाध्यक्ष चुन्नीलाल गरासिया को व सह संभाग प्रभारी प्रमोद सांभर सह सयोजक के दायित्व का निर्वहन करेंगे।

तीसरी परिवर्तन यात्रा चार सितंबर को केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में रामदेवरा जैसलमेर से प्रारंभ होगी। यह यात्रा 18 दिनों में 2574 किलोमीटर चलकर जोधपुर संभाग, अजमेर व नागौर जिले की कुल 51 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा के संयोजक राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत को बनाया गया है। जोधपुर सह-संभाग प्रभारी सांवलाराम देवासी सहसंयोजक होंगे। चौथी परिवर्तन यात्रा पांच सितंबर को केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में गोगामेडी हनुमानगढ से प्रारंभ होगी। यह यात्रा 18 दिनों में 2128 किलोमीटर चलकर बीकानेर संभाग, झुंझुनू, सीकर और अलवर जिले की कुल 50 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। इस यात्रा का संयोजक पूर्व केन्द्रीय मंत्री सीआर चौधरी व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण बगडी को सह संयोजक बनाया गया है। इन सभी यात्राओं के लिए एक टोली का गठन किया गया है। जिसमें मीडिया, सोशल मीडिया, आईटी एंव प्रचार-प्रसार सभा के प्रमुख बनाए गए हैं। प्रदेश की गहलोत सरकार के राज में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण एंव कुशासन के कारण प्रदेश की जनता त्रस्त है। इसलिए कांग्रेस की इस जनविरोधी सरकार को उखाड फेंकने के लिए जनता ने संकल्प ले लिया है। विधानसभा चुनाव से पहले निकाली जा रहीं भाजपा की चारों परिवर्तन यात्राओं को केंद्रीय स्तर के नेता रवाना करेंगे। भाजपा ने किसी एक चेहरे को इन यात्राओं की जिम्मेदारी नहीं दी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि प्रदेश स्तर की यात्राओं में भाजपा आलाकमान ने किसी भी स्थानीय नेता को जिम्मेदारी क्यों नहीं दी। इसका मुख्य कारण कारण पार्टी में व्याप्त गुटबाजी को माना जा रहा है। किसी एक नेता के चेहरे को आगे करने से पार्टी के अन्य नेता नाराज हो सकते हैं। इससे बचने के लिए पार्टी ने यह कदम उठाया है। पार्टी आलाकमान नहीं चाहता कि चुनाव से पहले किसी तरह के मतभेद सामने आएं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भाजपा की राष्टीय उपाध्यक्ष हैं। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी आलाकमान ने उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी है। इससे राजे और उनके समर्थक नाराज बताए जा रहे हैं। परिवर्तन यात्रा को लेकर भी पार्टी ने राजे को कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी है। इससे पहले हुए भाजपा के कई कार्यक्रम में राजे शामिल नहीं हुईं थीं। कुछ दिनो पूर्व गंगाापुरसिटी में अमित शाह के कार्यक्रम में भी वसुंधरा राजे शामिल नहीं हुयी जबकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला उस कार्यक्रम में उपस्थित थे। ऐसे में अभी तक इस पर संशय बना हुआ है कि वसुंधरा राजे परिवर्तन संकल्प यात्रा में शामिल होंगी या नहीं। इसकी तस्वीर आने वाले दिनों में साफ होगी।

भाजपा आलाकमान विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेहरा बना रहा है। मगर पार्टी के अंदरखाने मची जंग पर अभी तक नियंत्रण नहीं कर पाया है। वसुंधरा राजे दो बार मुख्यमंत्री रहने से उनका आज भी लोगों पर काफी प्रभाव है। यदि पार्टी आलाकमान चुनाव में उनकी उपेक्षा करेगा तो यह पार्टी के लिए घाटे का सौदा भी साबित हो सकता है। फिलहाल वसुंधरा राजे अभी चुप्पी साधे हुए हैं तथा समय का इंतजार कर रही है। अंदर खाने वसुंधरा राज्य ने अपनी राजनीति का अगला प्लान तैयार कर रखा है। इसलिए वह अपने धुर विरोधियों से मिलकर उनसे राजनीतिक मतभेद समाप्त कर रही हैं। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस की फिर से सरकार बनाने के लिए पूरा जोर लगाए हुए हैं। कांग्रेस आला कमान के प्रयासों से सचिन पायलट भी गहलोत के साथ जुट गए हैं। ऐसे में भाजपा अपनी अंदरुनी फूट पर कितना काबू कर पाती है। इसी पर राजस्थान में भाजपा की अगली सरकार बनने का भविष्य टिका है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

विचार मंथन

घूसखोरी के आरोप में ईडी के 5 अधिकारी हिरासत में

(लेखक - सनत जैन)

सीबीआई ने दिल्ली शराब घोटाले के एक मामले में ईडी के 5 अधिकारियों के ऊपर 5 करोड रुपए की घूस लेने के आरोप में मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने इस मामले में ईडी के एक सहायक निदेशक और 6 अन्य अधिकारियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने इन सभी दोषी अधिकारियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हालांकि सीबीआई ने अभी तक गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है।जिन अधिकारियों को सीबीआई ने अपनी हिरासत में लिया है। उनके नाम सहायक निदेशक पवन खत्री,ईडी में अपर डिवीजन क्लर्क नीतेश कोहर, एयर इंडिया के सहायक महाप्रबंधक दीपक सांगवान, अमनदीप सिंह ढल ,वीरेंद्र पाल सिंह, चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रवीण कुमार वत्स तथा क्लेरिज होटल और रिजार्ट के सीईओ विक्रमादित्य को हिरासत में लिया है। सीबीआई के अधिकारी इन सभी आरो पियों से जानकारी एक त्रित कर रहे हैं। इन सभी के ऊपर 5 करोड रुपए की घूस में लेने का आरोप है। दिल्ली के शराब घोटाले में ईडी के इन अधिकारियों ने अपने पद और प्रभाव का उपयोग करते हुए ,दोषियों को बचाने के लिए यह रिश्वत ली थी। पहली बार ईडी के अधिकारी रिश्वत लेने के मामले में सीबीआई की हिरासत में आए हैं। ईडी के कानून इतने सख्त हैं, कि एक बार इसमें यदि किसी की गिरफ्तारी हो जाती है, तो सालों-साल उनकी इसमें जमानत नहीं होती है। ईडी के अधिकारियों का खौफ इतना ज्यादा हो गया है। लोग गिरफ्तारी से बचने के लिए ईडी के अधिकारियों की हर जायज और नाजायाज बात को मानने के लिए विवश होते हैं। ईडी की गिरफ्तारी में बड़े-बड़े मंत्री और अधिकारी कई महीनों और कई सालों से जेल की सलाखों के पीछे बंद हैं। इसके बाद से ईडी का जबरदस्त भय सभी में व्याप्त है। ईडी के कोप से बचने के लिए न्यायाधीशों, बड़े-बड़े अधिकारियों, बड़े-बड़े राजनेता तथा अपराधी ईडी के नाम से ही थर-थर कांपने लगते हैं। इसी भय का लाभ उठाकर कई राज्यों की सरकारें गिरा दी गई। बड़े पैमाने पर दल-बदल हुए। अब ईडी के अधिकारी बेखोफ होकर वसूली में लग गए हैं। पहली बार सीबीआई ने इस रिश्वत मामले का खुलासा किया है। ईडी के अधिकारी रिश्वत के आरोप में सीबीआई की हिरासत में आए हैं। जिसकी प्रतिक्रिया देश भर में बड़े पैमाने पर देखने को मिल रही है। ईडी के निदेशक संजय मिश्रा 15 सितंबर को सेवानिवृत हो जाएंगे। सरकार उन्हें सीबीआई और ईडी का सीईओ बनाने जा रही है। केंद्र सरकार का यह स्पेशल पद होगा। संजय मिश्रा के निर्देश पर दोनों संस्थाओं के निदेशक काम करेंगे।

दोनों संस्थाएं इतनी पावरफुल है। तब एक ही व्यक्ति द्वारा दोनों संस्थाएं संचालित होंगी, तो इसके क्या प रिणाम होंगे, सोचने से ही डर लगने लगता है। इसको लेकर देशभर में तरह-तरह की चर्चाए होने लगी हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नजर अंदाज करते हुए संजय मिश्रा को सरकार पहले से ज्यादा पावरफुल बना रही है। ईडी का इस समय जो ख़ौफ़ देखने को मिल रहा है।

विशेष रूप से न्यायपालिका,कार्यपालिका राजनेताओं, कारोबारियों के बीच में ईडी की जो दहशत बनी है। उसने सभी की बोलती बंद कर दी है। अब यह भी कहा जा रहा है, कि आपातकाल से ज्यादा खौफ ईडी का देश में वर्तमान में बन गया है। ईडी जो चाहे, वह करा सकती है। संजय मिश्रा इस की नियु क्ति सरकार ने य दि सीईओ के रुप में कर दी तो वह देश के सबसे श क्तिशाली अ धिकारी होंगे। न्यायपा लिका भी ईडी से भयभीत है। अतः सरकार की हां में हां मिलाने के अलावा कोई विकल्प भी नहीं बचा है।

फोनपे शेयर ब्रोकिंग खंड में उतरी

मुंबई । डेकाकॉर्न वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी फोनपे शेयर ब्रोकिंग खंड में उतर गई है। फोनपे ने इसके लिए एक बाजार मंच शुरू किया है। डेकाकॉर्न से आशय ऐसी स्टार्टअप कंपनी से है जिसका बाजार मूल्यांकन 10 अरब डॉलर से अधिक है। उज्ज्वल जैन इस नए मंच शेयर.मार्केट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बने हैं। फोनपे के संस्थापक और सीईओ समीर निगम ने कहा कि शेयर ब्रोकिंग खंड में उतरने के साथ कंपनी ने अपना वित्तीय सेवा पोर्टफोलियो पूरा किया है। उन्होंने कहा, हमें एक ब्रांड के रूप में शेयर.मार्केट मिला है। वॉलमार्ट समूह की कंपनी फोनपे ने शेयर और ईटीएफ के साथ शेयर.मार्केट की शुरुआत की है। कंपनी धीरे-धीरे इसमें वायदा एवं विकल्प खंड भी जोड़ेगी। इसके अलावा यह अन्य खंड में भी उतरेगी। ब्रांड का अनावरण बीएसई के प्रबंध निदेशक और सीईओ सुंदररमन राममूर्ति ने किया।

क्रॉप लाइफ साइंस लिमिटेड में शेयर बाजार में सुस्त शुरुवात

मुंबई । एग्री केमिकल कंपनी क्रॉप लाइफ साइंस लिमिटेड की शेयर बाजार में एंट्री सुस्त रही और बुधवार को कंपनी के शेयर प्रीमियम पर लिस्ट होने के बाद लुढ़क गए। एनएसई इमर्ज पर क्रॉप लाइफ साइंस का शेयर 55.95 प्रति शेयर पर लिस्ट हुआ, जो कि 52 प्रति शेयर के प्राइज बैंड से केवल 7.59 प्रतिशत ज्यादा है। लिस्टिंग के तुरंत बाद क्रॉप लाइफ के शेयरों को 5 प्रतिशत के निचले सर्किट यानी 53.15 पर लॉक कर दिया गया। क्रॉप लाइफ साइंस एग्री केमिकल फॉर्मूलेशन के मैन्युफेक्चरिंग, डिस्ट्रीब्यूशन और मार्किटिंग का कारोबार करती है। कंपनी ने प्राइमेरी मार्केट से 26.73 करोड़ रुपये जुटाने के लिए 18 अगस्त को अपनी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश लांच किया था। क्रॉप लाइफ साइंस आईपीओ को 18 से 22 अगस्त तक कुल 4.36 गुना सब्सक्राइब किया गया था। इस इश्यू को खुदरा निवेशकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी, जिनके हिस्से का सेट 7.15 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, गैर-संस्थागत खरीदारों का हिस्सा सेट 1.56 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 10 रुपये के अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए 52 रुपये तय किया था। क्रॉप लाइफ साइंस आईपीओ का न्यूनतम लॉट साइज 2,000 शेयर का था। क्रॉप लाइफ साइंस आईपीओ में 51.40 लाख इक्विटी शेयरों का ताजा इश्यू शामिल था, जो कुल मिलाकर 26.73 करोड़ रुपये था।

आइनॉक्स ने सेबी के पास जमा कराए आईपीओ दस्तावेज

नई दिल्ली । आइनॉक्स इंडिया लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दस्तावेजों का मसौदा जमा कराया है। क्रायोजेनिक टैंक बनाने वाली कंपनी द्वारा दाखिल दस्तावेजों के मसौदे (डीआरएचपी) के अनुसार आईपीओ पूरी तरह कंपनी के मौजूदा प्रवर्तकों और शेयरधारकों की ओर से बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा। आईपीओ के तहत 2.21 करोड़ शेयर बिक्री के लिए रखे जाएंगे। ओएफएस के तहत शेयरों की पेशकश करने वालों में सिद्धार्थ जैन, पवन कुमार जैन, नयनतारा जैन, इशिता जैन और मंजू जैन शामिल हैं। चूंकि यह निर्गम पूरी तरह से ओएफएस पर आधारित है, ऐसे में वडोदरा की कंपनी को कोई आय प्राप्त नहीं होगी और सारी राशि बिक्री के लिए शेयर रखने वाले शेयरधारकों के पास जाएगी। आइनॉक्स इंडिया देश की प्रमुख क्रायोजेनिक टैंक विनिर्माताओं में से है। इसके पास क्रायोजेनिक के लिए डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण और स्थापना से संबंधित समाधान उपलब्ध कराने का 30 साल से अधिक का अनुभव है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और एक्सिस कैपिटल इस निर्गम के लिए बुक-रनिंग लीड प्रबंधक होंगी।

एप्पल 12 सितंबर को नई आईफोन सीरीज लांच करेगी

मुंबई ।

एप्पल हर साल की तरह इस साल फिर एक बड़ा इवेंट का आयोजन करने ला रहा है। इस इवेंट में एपल ने आईफोन 15 सीरीज लॉन्च करने का ऐलान कर दिया है। बताया जा रहा है` कि 12 सितंबर को ही नई आईफोन सीरीज लॉन्च की जाएगी। गौरतलब है` कि आईफोन 15 सीरीज के सभी मॉडल में इस बार डायनैमिक आईलैंड का फीचर दिया जाएगा जो मौजूदा आईफोन 15 सीरीज के प्रो मॉडल्स में दिया जाता है। इसके अलावा कई छोटे बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। हालांकि डिजाइन वही पुराना होगा और इसमें कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। इस आईफोन 15 सीरीज के साथ कंपनी चार्जिंग के लिए यूएसबी टाइप सी पोर्ट देगी इससे पहले तक चार्जिंग के लिए कंपनी का प्रोप्राइटी चार्जर यूज किया जाता था, लेकिन अब किसी भी एंड्राइड फोन के चार्जर से चार्ज किया जा सकेगा जो यूएसबी टाइप सी सपोर्ट करते हैं। एपल 15 सीरीज के साथ एप्पल वॉच सीरीज 9 के साथ एसई वेरिएंट भी पेश कर सकती है। एप्पल का ये इवेंट 12 सितंबर को रात 10:30 बजे से शुरू होगा और हर बार ये करीब एक घंटे तक चलेगा। ये इवेंट हेडक्वॉर्टर ऐपल पार्क से लाइव टेलीकास्ट भी किया जाएगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुम्बई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया दो पैसे टूटकर 82.73 पर बंद हुआ। सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुला। फॉरेक्स डीलरों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और डॉलर की मजबूती से रुपए का लाभ सीमित रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.67 पर खुलने के बाद 82.74 के निचले स्तर पर आ गया। बाद में रुपया 82.73 प्रति डॉलर के भाव पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले बंद स्तर की तुलना में सात पैसे की बढ़त है। इससे पहले मंगलवार को रुपया 82.80 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी बढ़कर 103.61 पर था।

देश के इन शहरों में मकान की कीमत हुई ज्यादा, इन शहरों में कम

मुंबई । देश के43 शहरों में 2023-24 की पहली तिमाही में घर महंगे हुए हैं। वहीं सात शहरों में आवासीय इकाइयों के दाम घटे हैं। राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) ने इसकी जानकारी दी। आवास वित्त कंपनियों के नियामक ने कहा कि एनएचबी आवास मूल्य सूचकांक के मुताबिक आवास ऋण की दरें अब भी कोरोना-पूर्व के स्तर से कम हैं। इस दौरान अहमदाबाद में संपत्ति की कीमतों में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बेंगलुरु में 8.9 प्रतिशत और कोलकाता में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। आवास मूल्य सूचकांक के अनुसार, चेन्नई में घरों के दाम में 1.1 प्रतिशत, दिल्ली में 0.8 प्रतिशत, हैदराबाद में 6.9 प्रतिशत, मुंबई में 2.9 प्रतिशत और पुणे में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बैंकों और आवास वित्त कंपनियों से जमा किए गए संपत्तियों के मूल्यांकन मूल्यों के आधार पर 50 शहरों के एचपीआई में 2023-24 की पहली तिमाही के दौरान 4.8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई। एक साल पहले यह आंकड़ा सात प्रतिशत था। इस दौरान सबसे अधिक 20.1 प्रतिशत की वृद्धि गुरुग्राम में रही। वहीं सबसे अधिक गिरावट लुधियाना में (19.4 प्रतिशत) देखी गई।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुम्बई ।

शेयर बाजार में बुधवार को सपाट कारोबार हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिश्रित संकेतों के बीच ही बिकवाली से बाजार में सीमित कारोबार हुआ। इसके साथ ही इक्विटी बाजार भी आज सीमित दायरे में रहा, धातु , आईटी और कुछ अन्य वाहन शेयरों के कारण बाजार में बढ़त रही। बैंकिंग शेयरों में अंतिम समय में बिकवाली से भी बाजार पर अंकुश लगा रहा।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 11.43 अंक करीब 0.02 फीसदी ऊपर आकर 65,087.25 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,458.70 तक ऊपर जाने के बाद 65,052.74 तक फिसला। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 4.80 अंक तकरीबन 0.02 फीसदी ऊपर आया। निफ्टी दिन के अंत में 19,347.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,452.80 की ऊंचाई तक गया और फिर 19,334.75 तक गिरा। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 18 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। जियो फाइनैंशियल सर्विसेज, टाटा स्टील, मारुति, एमएंडएम और इंफोसिस के शेयर सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में रहे। जियो फाइनैंशियल सर्विसेज के शेयर सबसे अधिक करीब 5 फीसदी ऊपर आये। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में से 12 शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये हैं। लाल निशान पर बंद हुए। पावर ग्रिड के शेयर सबसे अधिक 1.59 फीसदी गिरे। इसके अलावा एसबीआई , आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी और इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे अधिक गिरे।

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर 310.26 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। ये गत दिवस 308.98 लाख करोड़ रुपये था। इस प्रकार बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों को करीब 1.28 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सेंसेक्स 294.40 अंक ऊपर आकर 65,370.22 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 81.80 अंक बढ़कर 19424.45 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में भी बाजार में गिरावट दर्ज की गयी। सेंसेक्स 89.25 अंक टूटकर 64,986.57 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 15.50 अंक फिसलकर 19,327.20 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

वहीं वैश्विक स्तर पर, गूगल साझेदारी पर एनवीडिया शेयरों में रिकॉर्ड रैली के कारण अमेरिकी बाजारों में तेजी रही। डॉव जोन्स, नेस्डेक कंपोजिट और एसएंडपी 500 सूचकांक 1.7 फीसदी तक बढ़े। दूसरी ओर एशिया-प्रशांत के बाजारों में बढ़त रही। इसके अलाव निक्केई 225, टॉपिक्स, कोस्पी, एसएंडपी 200 सूचकांकों में 0.8 फीसदी की बढ़ोतरी रही।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में दूसरे दिन भी लगा सर्किट

मुंबई ।

जियो वित्तीय सेवा के शेयरों में लगातार दूसरे दिन 5 फीसदी का अपर सर्किट लगा है। बुधवार को शेयर अपर सर्किट के साथ एनएसई पर 231.25 और बीएसई पर 232.70 रुपये पर पहुंच गया है। हाल ही में रिलायंस इंडस्ट्रीज की एजीएम में आयोजित हुई थी। इसमें कंपनी के चेयरमैन व मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने बताया था कि जियो फाइनेंशियल्स इंश्योरेंस सेक्टर में प्रवेश के लिए विदेशी कंपनियों से हाथ मिलाएगी। अनुमान है कि इसी घोषणा के बाद से निवेशकों ने इस शेयर में खरीदारी शुरू कर दी। इसके अलावा खबर के अनुसार, जामनगर यूटिलिटीज एंड पावर ने जियो फाइनेंशियल के 5 करोड़ शेयर खरीदे हैं। इनकी खरीद 208-211 रुपये के स्तर पर की गई है। यह भी एक कारण जो जियो फाइनेंशियल्स के शेयरों में तेजी को समर्थन दे रहे हैं। बता दें कि जामनगर यूटिलिटीज रिलायंस इंडस्ट्रीज की ही एक स्टेप डाउन यूनिट है। स्टेप डाउन यूनिट उस कंपनी को कहा जाता है जो किसी ऐसी कंपनी सब्सिडियरी होती है जो खुद एक बड़ी कंपनी की सब्सिडियरी हो। इसके अलावा मोतीलाल ओसवाल ने भी 25 अगस्त को कंपनी में 3.72 करोड़ शेयर खरीदे थे। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की लिस्टिंग स्टॉक मार्केट में 21 अगस्त को हुई थी। इस रिलायंस इंडस्ट्रीज से डीमर्ज कर बनाया गया था। इस स्टॉक की लिस्टिंग बीएसई पर 265 रुपये और एनएसई पर 262 रुपये में हुई थी। हालांकि, लिस्टिंग के बाद शेयरों में तेज गिरावट देखने को मिली थी, लेकिन पिछले 2 दिनों से जियो फाइनेंशियल के शेयरों में जबरदस्त तेजी नजर आ रही है। कंपनी इंश्योरेंस सेक्टर में प्रवेश के लिए विदेशी कंपनियों से हाथ मिलाने वाली है।

फ्रांस के बाद अब न्यूजीलैंड में भी पहुंच सकता है यूपीआई

सिंगापुर ।

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) सिंगापुर और फ्रांस जैसे देशों में यूपीआई की शुरुआत के बाद अब यह जल्द ही न्यूजीलैंड में भी पहुंच सकता है। इस मामले पर वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के बीच बिजनेस और टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए यूपीआई के इस्तेमाल पर विचार किया जा रहा है। ध्यान देने वाली बात ये है कि हाल ही में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निर्यात विकास मंत्री डेमियन ओकॉनर के बीच मुलाकात हुई है। इस दौरान दोनों देशों के नेताओं के बीच यूपीआई को लेकर बातचीत हुई है। वाणिज्य मंत्रालय ने इस बारे में एक बयान जारी करके बताया है कि नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और पेमेंट्स न्यूजीलैंड के बीच यूपीआई के इस्तेमाल को लेकर शुरुआती बातचीत हो चुकी है। इसका दोनों पक्षों ने स्वागत किया है और आगे भी इस पर विचार जारी रखने पर सहमति जताई है। इस बात सहमति हुई है कि अगर न्यूजीलैंड में यूपीआई शुरू होता है तो इससे दोनों देशों के बीच बिजनेस और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

पेट्रोल और डीजल नोएडा और पटना में महंगा

- ब्रेंट क्रूड 0.11 डॉलर की तेजी के साथ 85.60 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को मामूली बढ़त देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.21 डॉलर बढ़कर 81.37 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.11 डॉलर की तेजी के साथ 85.60 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। बिहार में पेट्रोल 37 पैसे और डीजल 34 पैसे महंगा हो गया है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल 47 पैसे महंगा हो गया है। हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, केरल और ओडिशा में भी पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ गई है। दूसरी ओर गुजरात में पेट्रोल और डीजल 70 पैसे सस्ता हो गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 89 और डीजल 86 पैसे सस्ता हुआ है। इसी तरह पंजाब में पेट्रोल 51 पैसे और डीजल 49 पैसे सस्ता हो गया है। यूपी में भी पेट्रोल और डीजल सस्ता हुआ है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 90..08 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

ओएनजीसी शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करने दो लाख करोड़ निवेश करेगी

- ओएनजीसी की 25 कंम्प्रेस्ड बायो गैस संयंत्र भी स्थापित करेगी

मुंबई ।

सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह ने कहा कि कंपनी 2038 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए लगभग दो लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कंपनी 2030 तक 10,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने, हरित अमोनिया संयंत्र और अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने में एक लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इसके बाद शेष निवेश स्कोप-1 और स्कोप-2 शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के लिये किया जाएगा। स्कोप-1 के अंतर्गत ऐसे प्रत्यक्ष उत्सर्जन आते हैं, जो कंपनी के नियंत्रण में होते हैं। स्कोप-दो के अंतर्गत परोक्ष से होने वाले उत्सर्जन आते हैं। यह कंपनी की गतिविधियों का नतीजा तो होता है लेकिन स्रोत उसके नियंत्रण में नहीं होता। उन्होंने कहा कि इसके साथ ओएनजीसी तेल और गैस की खोज और उत्पादन तथा ऊर्जा बदलाव से संबद्ध परियोजनाओं में भी निवेश करना जारी रखेगी। सिंह ने कहा कि कंपनी कार्बन उत्सर्जन पर लगाम लगाने के साथ अपने कारोबार को गति देने के लिए निवेश जारी रखेगी। इसके लिए कंपनी के पास पर्याप्त संसाधन हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी के पास फिलहाल नवीकरणीय स्रोतों से बिजली पैदा करने की क्षमता 189 मेगावाट है। इसका लक्ष्य 2030 तक 10,000 मेगावाट क्षमता सृजित करने का है। कंपनी ने पहले ही राजस्थान में 5,000 मेगावाट के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा ओएनजीसी की 25 कंम्प्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) संयंत्र स्थापित करने की योजना है। यह संयंत्र पराली और अन्य कृषि-अवशेषों को गैस में परिवर्तित करेगा। इस ईंधन का उपयोग वाहनों और बिजली संयंत्रों में किया जाएगा।

रसोई गैस सिलेंडर 200 रुपए सस्ता

- उज्ज्वला योजना में 400 रुपए का लाभ मिलेगा, देशभर में नई कीमतें लागू

नई दिल्ली ।

सरकार ने लोगों को महंगाई से राहत देने के मकसद से रसोई गैस सिलेंडर (एलपीजी) की कीमत 200 रुपए कम कर दी है। रसोई गैस की कीमत बुधवार 30 अगस्त से देशभर में लागू हो गई है। इसके अलावा उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त में 75 लाख नये एलपीजी कनेक्शन देने का भी निर्णय किया है। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में सभी लोगों के लिए एलपीजी सिलेंडर के दाम 200 रुपए कम करने का निर्णय किया गया। इस फैसले के बाद राजधानी दिल्ली में 14.2 किलो का एलपीजी सिलेंडर की लागत बुधवार से 903 रुपए होगी, जो अभी 1,103 रुपए है। मई, 2020 के मुकाबले अभी रसोई गैस सिलेंडर का दाम दोगुना से अधिक है। इसके साथ ही अब उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को कुल 400 रुपए का लाभ मिलेगा। उन्हें पहले से 200 रुपए की सब्सिडी मिल रही है। इससे उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को एलपीजी सिलेंडर अब 703 रुपए में मिलेगा। ठाकुर ने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत ग्राहकों को 200 रुपए प्रति सिलेंडर एलपीजी सब्सिडी दी जा रही है, उसकी लागत चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 7,680 करोड़ रुपए बैठेगी। उज्ज्वला लाभार्थी केवल 9.6 करोड़ हैं, जबकि 33 करोड़ उपभोक्ता खाना पकाने के लिये रसोई गैस का उपयोग करते हैं। सरकार ने जून, 2020 में एलपीजी पर सब्सिडी देना बंद कर दिया था। देशभर में रसोई गैस की कीमत का निर्धारण बाजार आधारित था।

टाटा स्टील के सीईओ नरेंद्रन आईआईटी-खड़गपुर बोर्ड के चेयरपर्सन नियुक्त

कोलकाता ।

टाटा स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-खड़गपुर (आईआईटी-खड़गपुर) के संचालन मंडल का नया चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। आईआईटी-खड़गपुर के निदेशक वीके तिवारी ने कहा कि तकनीकी और औद्योगिक क्षेत्र के दिग्गज नरेंद्रन समाज की जरूरतों को समझते हैं और वह जानते हैं कि एक तकनीकी संस्थान के साथ उद्योग-अकादमिक एकीकरण का व्यावहारिक प्रभाव क्या होगा। उन्होंने कहा` कि हमें इस संस्थान को भविष्य की आकांक्षाओं के लिए नया आकार देने में उनके सक्षम मार्गदर्शन, रचनात्मक विचारों और प्रोत्साहन से मदद मिलेगी। बयान में कहा गया है कि नरेंद्रन के पास खनन और धातु उद्योग का 34 साल से अधिक का अनुभव है। वह एनआईटी-त्रिची से मैकेनिकल इंजीनियर और भारतीय प्रबंध संस्थान-कलकत्ता (आईआईएम-कलकत्ता) से एमबीए हैं।

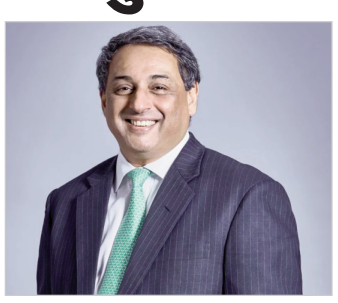

एशिया कप में आज आमने-सामने होंगे श्रीलंका और बांग्लादेश

पालेकल (एजेंसी)। एशिया कप में गुरुवार को श्रीलंका का मुकाबला बांग्लादेश से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। श्रीलंकाई टीम गत विजेता रही है। जिससे इस मैच में उसका पलड़ा भारी नजर आता है। ये दोनो ही टीमें अपने खिलाड़ियों की चोटों के कारण इस मैच में शायद ही अपनी पूरी क्षमता से उतर पायें। श्रीलंका टीम के कुछ खिलाड़ी चोटिल हैं जबकि कुछ बीमार हैं। इसी कारण उसके लिए टीम की घोषणा तक मुश्किल हो गयी थी।

श्रीलंका के स्पिनर वानिंदु हसारंगा, दुश्मंता चामीरा, लाहिरू कुमारा और तेज गेंदबाज दिलशान मधुशंका चोटिल हैं जबकि कुसाल परेरा कोविड-19 संक्रमण से पीड़ित हैं। इससे पिछले कुछ समय में टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ है। उन्हें साल के शुरुआत में भारत और न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था।

हालांकि उसन अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज जीती और आईसीसी क्वालीफायर में भी काफी रन बनाये पर फिर भी वह शीर्ष टीमों के खिलाफ अपने खेल को बेहतर नहीं कर पायी है जो उसके लिए परेशानी बन सकता है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में जीत के लिए उसे पाथुम निसांका , दिमुथ करूणारत्ने और चरिथ असालंका से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इस साल इन तीनों ने ही काफी रन बनाये हैं। अच्छा प्रदर्शन करें जो अभी तक इस साल उसके सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे हैं।

साथ ही टीम उम्मीद करेगी कि कप्तान दासुन शनाका भी इस मैच से अपनी लय हासिल कर लें। शनाका इस साल रनों के मामले में असफल रहे हैं। वहीं गेंदबाजी में स्पिनर महीश तीक्ष्णा और तेज गेंदबाज कासुन रजीता से उसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश की टीम का हाल भी अच्छा नहीं है। उसे भी अपने खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशानी हो रही है। तमीम इकबाल, तेज गेंदबाज इबादत हुसैन चोटिल हैं जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास बीमार होने के कारण टूर्नामेंट से ही बाहर हो गये हैं। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज अनामुल हक बिजॉय को दास की जगह शामिल किया गया है।

बांग्लादेश की टीम का प्रदर्शन भी इस साल अच्छा नहीं रहा और उसे इंग्लैंड और अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था।

एशिया कप से पहले उसे केवल आयरलैंड पर ही जीत मिली थी। टीम इस मैच में रनों के मामले में कप्तान शाकिबुल हसन, मुश्फिकुर रहीम और नजमुल शांटो पर निर्भर रहेगी इसके अलावा युवा तौहिद हृदय से भी उसे रनों की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम और तास्किन अहमद पर रहेगी।

दोनो टीमें इस प्रकार हैं :

श्रीलंका : दासुन शनाका (कप्तान), पाथुम निसांका, दिमुथ करूणारत्ने, कुसाल परेरा, कुसाल मेंडिंस (उप कप्तान), चरिथ असालंका, धनंजय डि सिल्वा, सादीरा समरविक्रमा, महीश तीक्ष्णा, दुनिथ वेलांगे, माथिशा पाथिराना, कासुन रजीता, दुशान हेमंता, बिनुरा फर्नांडो, प्रमोद मदुशान।

बांग्लादेश : शाकिब अल हसन (कप्तान), नजमुल हुसैन शांटो, तौहिद हृदय, मुश्फिकर रहीम, अफीफ हुसैन धुब्रो, मेहदी हसन मिराज, तास्किन अहमद, हसन महमूद, मुस्तफिजुर रहमान, शोरिफुल इस्लाम, नासुम अहमद, शाक मेहदी हसन, नईम शेख, शमिम हुसैन, तंजिद हसन तमीम, तंजिम हसन शाकिब, अनामुल हक बिजॉय।

अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर मे पहुंचे मेदवेदेव और मर्रे , वीनस हारी

न्यूयार्क (एजेंसी)। रूस के डेनिल मेदवेदेव जीत और ब्रिटेन के एंडी मर्रे जीत के साथ ही अमेरिकी ओपन टेनिस के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। मेदवेदेव ने एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में एट्टिला बालाज को 6-1, 6-1, 6-0 से हराया। वहीं मर्रे ने कोरेंटिन मूटेट को 6-2, 7-5, 6-3 से हराया। इसके अलावा जर्मनी क अलेक्जेंडर ज्वेरेव और कैम नॉरी भी अगले दौर में पहुंच गए हैं जबकि कारेन खाचानोव को अमेरिकी वाइल्ड कार्डधारी माइकल एम ने 6-2, 6-4, 6-2 से हराया।

दूसरी ओर महिला वर्ग में दिगगज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स उलटफेर का शिकार हुई हैं। वीनस को बेल्जियम की क्वालीफायर ग्रीट मिनेन ने 6-1, 6-1 से हराया।

महिला वर्ग में ही तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने कैमिला जियोर्जी को 6-2, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है। पांचवी वरीयता प्राप्त ओंस जबाउर ने कैमिला ओसोरियो को 7-5, 7-6 से पराजित कया। वहीं लैला फर्नांडिज को 22वी रैंकिंग वाली एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने 7-6, 5-7, 6-4 से हराया। कैरोलिन गार्शिया को चीनी क्वालीफायर वांग याफान ने 6-4, 6-1 से हराया। मरकेटा वोंड्रोसोवा ने क्वालीफायर ना ली हान को 6-3, 6-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

एशिया कप में श्रीलंका ने जीते हैं सबसे अधिक मैच

-भारत दूसरे और पाक तीसरे नंबर पर

मुल्तान (एजेंसी)। पाकिस्तान और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट आज यहां शुरु हो रहा है। एशिया कप में इस बार छह टीमें भाग ले रही हैं। नेपाल की टीम पहली बार एशिया कप खेलेगी। इसमें पहला मुकाबला पाकिस्तान और नेपाल में होना है। एशिया कप में भारतीय टीम ने सबसे अधिक सात बार ये खिताब जीत है। वहीं दूसरे नंबर पर श्रीलंका है। उसने छह बार खिताब जीता है। वहीं तीसरे नंबर पर पाकिस्तान टीम है उसने दो बार इसे जीता है। एशिया कप को वनडे और टी20 फार्मेट में खेला जाता है। इस बार ये एकदिवसीय प्रारुप में होगा। और इस प्रारुप में भारतीय टीम का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है।

भारतीय टीम इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम में दूसरे नंबर पर है। उसने साल 1984 से लेकर 2018 तक कुल 49 मैच खेले हैं और इसमें से 31 मैचों में जीत जबकि 16 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इस प्रकार उसकी जीत का प्रतिशत 65.62 रहा है। वहीं श्रीलंका ने एशिया कप में 50 मैच खेले हैं और इसमें से 34 जीते और 16 हारे हैं। टीम की जीत का प्रतिशत सबसे अधिक 68 है, जो भारत और पाकिस?तान से ज?यादा है। पाक ने भी साल 1984 से लेकर 2018 तक कुल 45 मैच खेले हैं और टीम ने इसमें से 26 मैच जीते तो 18 गंवाए हैं। टीम की जीत का प्रतिशत 59.09 का है जबकि बांग्लादेश 43 मैच खेल चुकी है। उन्होंने एशिया कप में केवल 7 मैचों में जीत दर्ज की है और 36 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इस प्रकार उसक जीत का औसत सबसे कम है।

एशिया कप के लिए श्रीलंका पहुंची टीम इंडिया, पाकिस्तान के खिलाफ 2 सितंबर को पहला मुकाबला

मुल्तान (एजेंसी)। एशिया कप 2023 के लिए रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया श्रीलंका पहुंच गई है। कोलंबो एयरपोर्ट पर टीम के सभी सदस्य नजर आए। बैंगलुरु से बुधवार दोपहर टीम फ्लाइट से टीम रवाना हुई थी जिसके ढेड घंटे बाद वो कोलंबो पहुंच गए।

भारतीय टीम एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ 2 सितंबर को मुकाबले से करेगी। कोलंबो के लिए उड़ान भरने से पहले ही टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने अपने सोशल मीडिया पर वीडियो और तस्वीरें शेयर कीं। इस दौरान इन तस्वीरों में विराट कोहली, रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर के साथ रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह नजर आए। श्रीलंका में होने वाले एशिया कप के मुकाबले के लिए पूरी टीम इंडिया पहुंच चुकी है।

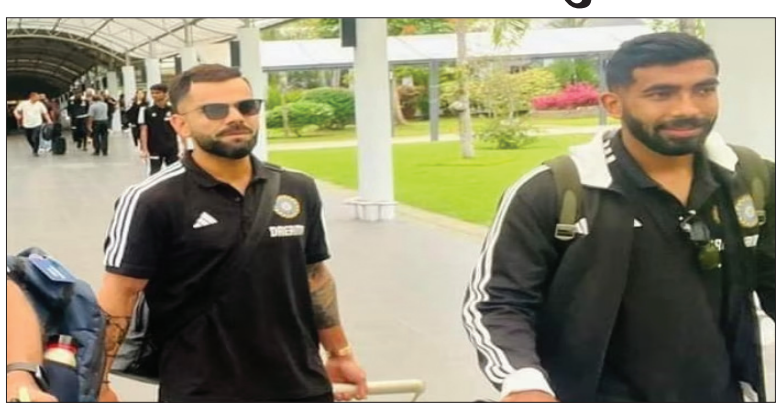

लेकिन केएल राहुल अभी भी बेंगलुरु स्थित एनसीए में हैं। जहां वो सिम्युलेशन में हिस्सा लेंगे। बता दें कि, केएल राहुल पाकिस्तान और नेपाल के खिलाफ मुकाबले में हिस्सा नहीं लेंगे।

विराट को खेलते देखना चाहते हैं पाक प्रशंसक

मुल्तान ।एशिया कप की शुरुआत पर पाकिस्तान के प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। प्रशंसकों का कहना है कि अगर भारतीय टीम यहां खेलती तो और भी अच्छा होता क्योंकि सभी विराट को खेलते हुए देखना चाहते हैं। पाक प्रशंसकों को अब भी उम्मीद है कि विराट आयेंगे। एशिया कप से पहले ही कई प्रशंसकों ने विराट को पाकिस्तान में खेलते देखने की इच्छा भी जतायी थी। स्थानीय क्रिकेट प्रशंसकों ने कहा कि कई टीमें पाकिस्तान में खेलने वाली हैं। अगर भारत आता तो उत्साह का स्तर और भी बढ़ जाता। साथ ही कहा कि यहां हर कोई विराट कोहली को पसंद करता है। पाकिस्तान में भी बहुत सारे भारतीय टीम के प्रशंसक हैं और हर कोई विराट को पसंद करता है।

एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर : भारत ने बांग्लादेश को दी करारी शिकस्त

सालालाह ।मनिंदर सिंह और मोहम्मद राहील के क्रमश- चार और तीन गोल की मदद से भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर के पहले मैच में बांग्लादेश को 15.1 से हराया। मनिंदर ने 10वें, 18वें, 28वें और 30वें मिनट में गोल दागे। वहीं राहील ने दूसरे, 15वें और 24वें मिनट में गोल किया। सुखविंदर ने 13वें और 22वें, गुरजोत सिंह ने 13वें और 23वें, पवन राजभर ने 19वें और 26वें मिनट में गोल किए। मनदीप मोर ने आठवें और दिप्सन टिर्की ने नौवे मिनट में गोल दागा। बांग्लादेश के लिये एकमात्र गोल सावन सरोवर ने दूसरे मिनट में किया। भारत ने आक्रामक शुरूआत की और पवन ने विरोधी सर्कल में प्रवेश किया लेकिन बांग्लादेश ने उन्हें गोल नहीं करने दिया। जवाबी हमले में बांग्लादेश के लिए सरोवर ने गोल दाग दिया। इसके बाद भारतीय कप्तान मनदीप ने आठवें मिनट में गोल दागकर शुरूआत की और फिर भारतीय खिलाड़ियों ने मुड़कर नहीं देखा और 15-1 के साथ जीतकर वापस लौटे।

एशिया कप में पाकिस्तान को मजबूत टीम मानते हैं अश्विन, कहा- 'बाबर-रिजवान की जोड़ी खरतनाक'

नई दिल्ली ।भारत के शीर्ष स्पिनर आर अश्विन का मानना है कि एशिया कप में पाकिस्तान को हराना चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान जैसे खिलाड़ी उसे और खतरनाक बनाते हैं। भारत और पाकिस्तान दोनों को खिताब के प्रबल दावेदार बताते हुए अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा ,'' बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान अगर लगातार अच्छी पारियां खेलते रहे तो एशिया कप और विश्व कप में पाकिस्तान बेहद खतरनाक टीम होगी।'' दो सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच टक्टर होगी। पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने पिछले तीनों वनडे जीते हैं। अश्विन का मानना है कि पाकिस्तानी टीम की गहराई उसे एशिया कप और विश्व कप में प्रबल दावेदार बनाती है। उन्होंने कहा ,''पाकिस्तान के पास असाधारण प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। टेप बॉल क्रिकेट की वजह से उनके पास हमेशा बेहतरीन तेज गेंदबाज रहते हैं। उनकी बल्लेबाजी भी बल्ले और 2000 के दशक में अच्छी रही है। लेकिन विभिन्न टी20 लीगों में खेलने से पिछले पांच छह साल में उनकी बल्लेबाजी फिर बेहतर हुई है। पाकिस्तान सुपर लीग के अलावा वे बिग बैश लीग में भी खेल रहे हैं।

पूर्व पाक खिलाड़ी सलमान बट ने भारतीय बल्लेबाजों पर साधा निशाना

मुल्तान (एजेंसी)। एशिया कप का आगाज हो चुका है। वहीं इस टूर्नामेंट में भारत 2 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। लेकिन उससे पहले पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी सलमान बट ने भारतीय बल्लेबाजों पर निशाना साधा है।

दरअसल, सलमान बट ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि, भारत से काफी उम्मीदें हैं इसलिए दबाव भी ज्यादा है। चूंकि भारत ने लंबे समय से किसी भी कारण से पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेला है। इसलिए उनके खिलाड़ियों ने चाहे कितना भी आईपीएल खेला हो। उन्हें इस तरह के हाई-वोल्टेज मुकाबले में खेलने का अनुभव नहीं है। चाहे सुबह, दोपहर, शाम आईपीएल खेल लें। चाहे आप आईपीएल में कितना भी खेल लें ये उतना दबाव नहीं लाता है। जो भारत-पाकिस्तान मुकाबले के दौरान होता है।

वहीं सलमान ने भारतीय गेंदबाजों को लेकर कहा कि अगर हम भारत की तेज गेंदबाजी को देखें, तो फिटनेस चिंता का विषय है। खिलाड़ी लंबे समय से अनफिट हैं हमें नहीं पता कि वे नाजुक हैं। क्या वे पूरी ताकत लगाएंगे? विराट कोहली और रोहित शर्मा के अलावा उनका पास

युवा खिलाड़ी हैं। जिन्होंने अच्छी क्रिकेट जरूर खेली है लेकिन उनके पास अनुभव नहीं है।

पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी ने कहा कि, पाकिस्तान के पास बाबर आजम, रिजवान, फखर, शादाब, शाहीन, हारिस रऊफ हैं। और मेरी राय में पाकिस्तान के पास बहुत बड़ा कोर ग्रुप है। भारत के पास भी जडेजा, शमी, बुमराह, रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे मैच विनर खिलाड़ी हैं। लेकिन उनकी बल्लेबाजी कमजोर है अगर पाकिस्तान दो बड़े विकेट ले लेता है तो दूसरों को बहुत कुछ साबित करना होगा।

प्रज्ञानन्दा का एक और कमाल डबल्यूआर टीम को बनाया विश्व रैपिड टीम चैम्पियन

डुसेलडोर्फ , जर्मनी ।भारत के युवा ग्रांड मास्टर आर प्रज्ञानन्दा का शानदार प्रदर्शन विश्व कप के बाद भी लगातार जारी है और उन्होने विश्व टीम रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम डबल्यूआर को विश्व विजेता बनने में मुख्य भूमका अदा की है ।रैपिड फॉर्मेट में तीन दिवसीय इस टूर्नामेंट में दिग्गज खिलाड़ियों से भरी दुनिया भर की कई टीमों के बीच डबल्यूआर टीम नें 12 राउंड के बाद 10 जीत और 2 ड्रॉ के साथ कुल 22 अंको के साथ पहला स्थान हासिल किया ।अपनी टीम की ओर से प्रज्ञानन्दा नें कुल 7 राउंड में 6.5 अंक बनाकर 2976 रेटिंग का प्रदर्शन कर टीम को विजेता बनाने में मदद की , इस दौरान उन्होने अपराजित रहते हुए 6 मुक़ाबले जीते और 1 बाजी उन्होने पूर्व विश्व चैम्पियन रूस के व्लादिमीर क्रामनिक से ड्रॉ खेला , विश्वनाथन आनंद के नेतृत्व वाली फ़्रीडम टीम 9 जीत दो ड्रॉ और 1 हार के साथ 20 अंक बनाकर दूसरे तो पेंटाला हरीकृष्णा के नेतृत्व वाली एमजीडी 8 जीत 2 ड्रॉ और 2 हार के साथ 18 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रही ।

बीसीसीआई प्रमुख बिन्नी के पाक दौरे में हो सकती है द्विपक्षीय सीरीज पर बात

मुम्बई (एजेंसी)। एशिया कप के लिए पाकिस्तान का दौरा कर रहे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा है कि इस दौरान कई मामलों पर बात होगी और उनमें से एक द्विपक्षीय सीरीज भी है। अभी दोनो देशों के बीच ये सीरीज बंद है। बिन्नी ने कहा कि इस यात्रा में उनकी बात पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के शीर्ष अधिकारियों से होगी।. बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, मेरी पिछली पाकिस्तान यात्रा 2006 में हुई थी, जब पाक के लोगों की भारतीय क्रिकेट और सिनेमा को बहुत पसंद करते थे। बिन्नी के अलावा बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी इस दौरे में पाक जा रहे हैं। पीसीबी ने एशियाई क्रिकेट परिषद के

सदस्य के तौर पर इन दोनों को पाक यात्रा का आमंत्रण दिया है। ये दोने 7 सितंबर को स्वदेश लौटेंगे। इनकी इस यात्रा में भारत-पाकिस्तान द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज के अलावा आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर बात हो सकती है। इस दौर में पीसीबी उनके सामने भारतीय टीम को पाक नहीं भेजे जाने का मामला उठा सकते हैं। इससे पहले साल 2012-13 में भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज खेली गई थी. तब पाकिस्तान की टीम ने भारत का दौरा किया था। इसके बाद से ही भारत-पाकिस्तान के मुकाबले केवल आईसीसी टूर्नामेंट में ही होते हैं। भारत ने पाक में खिलाड़ियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए उन्हें एशिया कप के लिए भेजने से इंकार कर दिया था। वहीं अब सुरक्षा मुद्दा को बिन्नी अधिक तूल नहीं दे रहे। उनका कहना है कि अब इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमें वहां का दौरा कर रही हैं।

एशिया कप से पहले बांग्लादेश टीम को बड़ा झटका, लिटन दास हुए बाहर

ढाका। एशिया कप 2023 से पहले बांग्लादेश टीम को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, बांग्लादेश टीम के सलामी बल्लेबाज लिटन दास वायरल बुखार के कारण टीम से टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वहीं उनकी जगह अनामुल हक को शामिल किया गया है। वहीं लिटन दास के टीम से बाहर होने पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि, बीसीबी के चयन पैनल ने 30 वर्षीय दाएं हाथ के खिलाड़ी अनामुल हक बिजॉय को लिटन दास की जगह टीम में शामिल किया है। लिटन की उपलब्धता ना होने के कारण हमें एक टॉप क्रम के बल्लेबाज की जरूरत थी जो विकेट कीपिंग भी कर सके। जिसके लिए लिटन की जगह अनामुल को मंजूरी मिल गई है।

एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ पहला मुकाबला

बता दें कि, अनामुल ने अभी तक 44 वनडे मुकाबले खेले हैं। जिसमें उन्होंने 1254 रन बनाए हैं। इन पारियों में उनके तीन शतक भी शामिल हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपना आखिरी वनडे मैच दिसंबर 2022 में भारत के खिलाफ खेला था। इसके अलावा एशिया कप 2023 में बांग्लादेश का पहला मुकाबला श्रीलंका के खिलाफ 31 अगस्त को कैंडी में होगा। इसके लिए बांग्लादेश की टीम यहां पहुंच चुकी है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के राष्ट्रीय चयन पैनल के अध्यक्ष मिन्हाजुल ओबेदीन ने कहा कि, अनामुल घरेलू क्रिकेट में रन बनाने वालों में से रहे हैं। हमने बांग्लादेश टाइगर्स प्रोग्राम में उनकी मॉनेटरिंग की थी।

द्रविड़ ने टीम में किये गये प्रयोगों पर सफाई दी , कई बार अचानक होती हैं चीजें

मुंबई (एजेंसी)। पिछले कुछ समय में भारतीय टीम ने कई युवा खिलाड़ियों को अलग-अलग बल्लेबाजी क्रम पर आजमाया है। इसे लेकर टीम प्रबंधन की आलोचना तक हुई है। इसी को लेकर अब टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अपनी बात रखी है। द्रविड़ ने कहा कि हम केवल प्रयोग करने के लिए ऐसा नहीं कर रहे। द्रविड़ ने कहा, प्रयोग शब्द का इस्तेमाल बिना सोचे समझे हो रही है जबकि वास्तविकता ये है कि कई बार अचानक ऐसी चीजें हो जाती हैं, जिसके कारण कुछ चीजें करनी पड़ती हैं।

इस दौरान द्रविड़ ने बल्लेबाजी को लेकर हो रहे प्रयोगों पर भी अपनी बात रखी और कहा , टीम के नंबर-4 और 5 को लेकर काफी बातें और चर्चा हो रही है। इससे ये छवि बन रही है कि इस नंबर पर कौन उतरेगा इसपर हमारे मन में संशय है पर ये सही नहीं है। कौन इस नंबर पर बल्लेबाजी करेगा इसका जवाब हम 18-19 महीने पहले ही बता सकते थे। चार और पांच नंबर के लिए हमने दो-तीन खिलाड़ियों को सूची में रखा था। इसमें श्रेयस अय्यर, केएल राहुल और ऋषभ पंत मध्यक्रम में बल्लेबाजी के लिए तय थे पर बदकिस्मती से से ये तीनों ही 2 महीने के भीतर चोटिल हो गए।

उन्होंने साल ही कहा, हाल के सालों में एकदिवसीय मुकाबलों की संख्या बहुत कम हो गई है। वहीं इस दौरान टी20 विश्व कप और विश्व टेस्ट चैंपियन भी होती है जिसके लिए भी खिलाड़ियों को पर्याप्त मैच देने होते हैं पर जब कुछ ही महीनों के अंतराल में आपके तीन अहम खिलाड़ी चोटिल हो जाते हैं तो हालात बदल जाते हैं। इसके बाद उन लोगों को अवसर देने पड़ते हैं जो मानसिक तौर पर विश्व कप या अन्य बड़े टूर्नामेंटों के लिए तैयार नहीं होते हैं। ऐसे में कई बार आप कुछ युवा खिलाड़ियों को अवसर देते हैं जिससे वे बड़े मंच के लिए तैयार हो सकें। हम चाहते हैं कि उन्हें भी अवसर मिलें क्योंकि वापसी कर रहे खिलाड़ी पूरी तरह से फिट हैं ये आप कह नहीं सकते हैं।

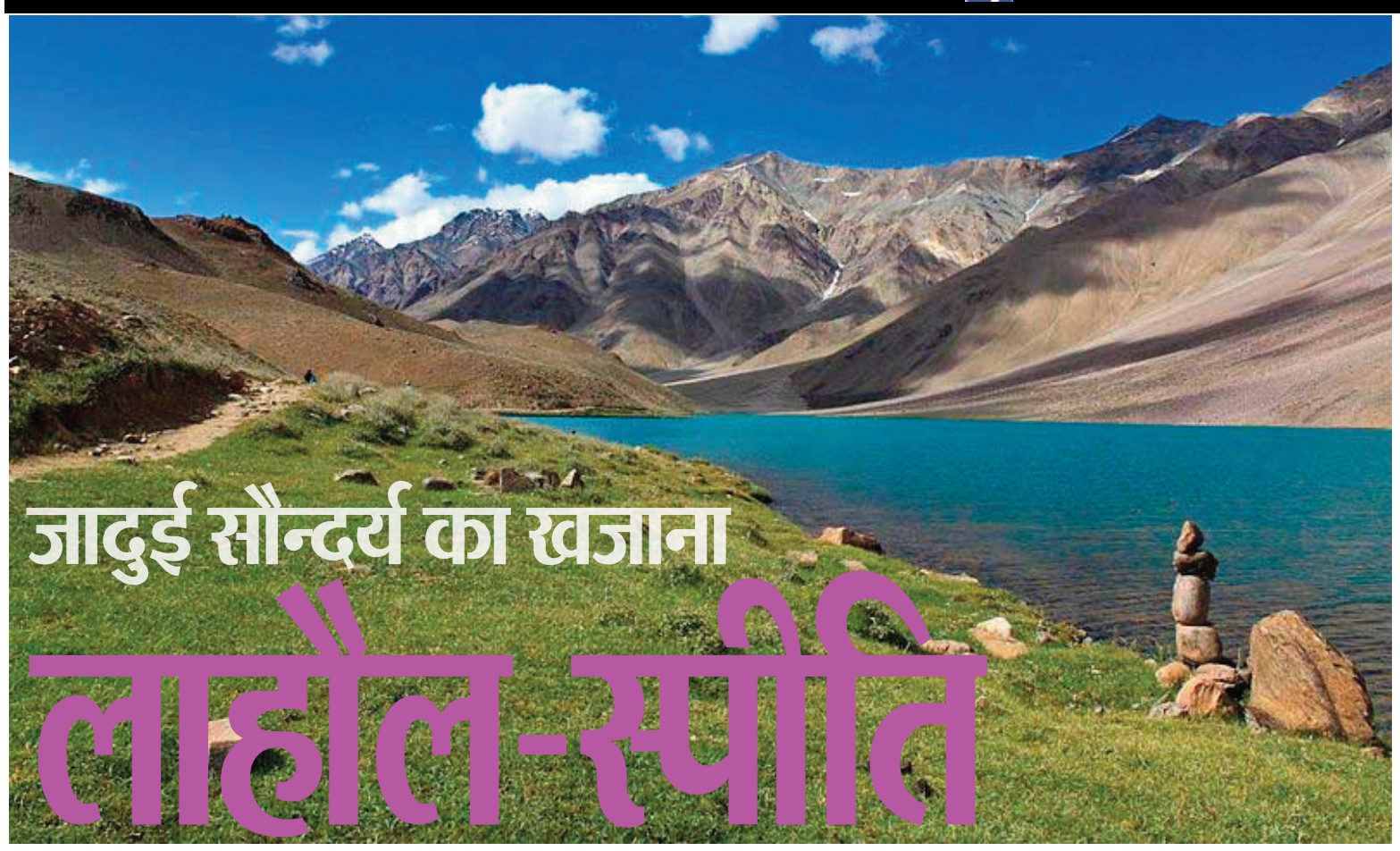

जादुई सौन्दर्य का खजाना लाहौल-स्पीति

लाहौल और स्पीति हिमाचल प्रदेश के सुदूर इलाकों में से एक है। इन्हीं इलाकों के नाम पर जिले का नाम लाहौल स्पीति रखा गया है। यह हिमाचल प्रदेश के भारत-तिब्बत सीमा पर स्थित है। लाहौल और स्पीति दो जिले थे, जिन्हें 1960 में एकीकृत कर दिया गया था। अब यह हिमाचल प्रदेश का एक जिला है। लाहौल और स्पीति अपनी ऊंची पर्वतमाला के कारण शेष दुनिया से एक तरह से कटा हुआ है। रोहतांग दर्रा 3978 मीटर की ऊंचाई पर लाहौल और स्पीति को कुल्लू घाटी से अलग करता है। जिले की पूर्वी सीमा तिब्बत से मिलती है। चारों तरफ झीलों, दर्रा और हिमखंडों से घिरी आसमान छूते शैल-शिखरों के दामन में बसी लाहौल-स्पीति घाटियां अपने जादुई सौन्दर्य और प्रकृति की विविधताओं के लिए मशहूर है। प्रकृति ने तो इसे लाजवाब सौंदर्य प्रदान किया है। मैदानी और पहाड़ी रास्तों पर दूर-दूर तक जहां भी नजर डालें, बर्फ ही बर्फ दिखाई देती है। सर्दियों के मौसम में तो बर्फ के अलावा और कुछ दिखता ही नहीं। इसीलिए स्कीइंग और आइस स्केटिंग के लिए लाहौल का अपना महत्व है। यद्यपि लाहौल स्पीति एक जिला है, लेकिन भौगोलिक दृष्टि से ये दोनों अलग-अलग जगहें हैं। स्पीति ठंडा रेगिस्तान है, जहां बारिश नाम मात्र की होती है और लाहौल घाटी विशाल चट्टानी पर्वतों के मध्य बसी है। इसका मुख्यालय केलांग है। यहां के सैरसपाटे के लिए जाने वालों को रोमांचकता से भरपूर प्रकृति से रूबरू होने का अवसर मिलता है

किन्नौर : हिमाचल प्रदेश का सीमावर्ती जिला किन्नौर आज भी किन्नर देश के नाम से जाना जाता है। शिमला से काजा यानी स्पीति जाते समय सभी सैलानी किन्नौर जरूर घूमते हैं। सतलज के आरपार फैली किन्नौर की सुंदर और रोमांचक घाटियों को देखने का अद्भुत आन्नद मिलता है। सांगला घाटी किन्नौर का मुख्य आकर्षण है। यहां पूरे सालभर बर्फ से ढकी चोटियां, विभिन्न प्रकार के मनमोहक खुशबू बिखेरते फूल, सेब, बादाम, अंगूर के बाग और बौद्ध मंदिर में नृत्य महोत्सव यहां आने वाले सैलानियों का स्वागत करते नजर आते हैं।

काजा : हिमाचल प्रदेश के दुर्गम और कठिन इलाकों में शुमार काजा का नाम प्रमुख है। समुद्र तल से 3660 मीटर की ऊंचाई पर स्पीति नदी के बाईं तरफ काजा बसा है। यह लाहौल स्पीति जिले का उपमुख्यालय भी है। यह स्थान सैलानियों को इतना मस्त कर देता है कि वे यहां स्वर्ग सा महसूस करते हैं। काजा से 12 किलोमीटर दूर ''की' नामक बौद्ध विहार है।

किब्बर : काजा के आसपास आकर्षणों में विश्व प्रसिद्ध किब्बर गांव है, जो दुनिया का ऐसा सबसे ऊंचा गांव कहलाता है, जहां सड़क और बिजली पहुंच चुकी है। जबकि वर्ष के अधिकांश महीनों में यहां बर्फ पड़ती है। इतनी ऊंचाई पर भी कुछ लोग बस गये हैं जिसे गेते कहा जाता है। किब्बर विश्व भर के पर्वतारोहियों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। यहां से हिमालय के विभिन्न स्थानों पर पैदल मार्ग से जाते हैं। ये मार्ग प्राय- नक्शों या अनुमान से तलाश लिए जाते हैं।

कुंजम दर्रा : काजा से घूमने के बाद सैलानी स्पीति के सीमांत की ओर बढ़ते हैं। जहां कुंजम दर्रा से मुलाकात होती है, जो विश्व प्रसिद्ध रोहतांग दर्रा से काफी ऊंचा है। यहां से पर्यटक छोटा शिगड़ी ओर बड़ा शिगड़ी ग्लेशियरों को देख सकते हैं। कुजंम दर्रा पार करने के लिए 4551 मीटर की ऊंचाई को पार करना पड़ता है। इसके पार करने पर निचले भूभाग में लाहौल का विस्तार है। जो स्पीति जैसा चट्टानी और रेतीला कम, हराभरा और उपजाऊ ज्यादा है।

चंद्रताल झील : कुंजम दर्रा पर आने से पहले घोड़े द्वारा या पैदल चलकर बाटल नामक स्थान से दाहिनी ओर मुड़कर चंद्रताल झील के तिलस्मी लगने वाले संसार में पहुंचा जा सकता है। वास्तव में चंद्रताल झील स्तब्ध और मुग्ध कर देने वाली झील है जिसमें से चंद्र नदी निकलती है। यही नदी आगे सूरजताल झील से निकली भागा नदी से मिलकर चंद्रभागा कहलाती है। यही चंद्रभागा लाहौल से निकलते ही चिनाब बन जाती है।

बारालाचा दर्रा : यह दर्रा केलांग से 75 किलोमीटर आगे 4890 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। बारालाचा दर्रा से जंस्कर, लद्दाख, स्पीति और लाहौल के चार मार्ग जुड़ते हैं। यह दर्रा प्रचीन व्यापारियों, हमलावरों और सैलानियों का मुख्य केंद्र रहा।

सूरजताल : बरालाचा दर्रा की शुरुआत पर ही सूरजताल को रास्ता जाता है। चंद्रताल या सूरजताल जाने के इच्छुक लोगों को काजा या केलांग अथवा शिमला या मनाली के पर्यटन केंद्र से पूरी जानकारी ली जा सकती है, क्योंकि कुछ पर्यटन स्थल पर्यटकों के लिए प्रतिबंधित हैं।

केलांग : कुल्लू मनाली से रोहतांग-पास के रास्ते लाहौल जाने वालों के लिए केलांग जाना पहचाना नाम है। केलांग से ही लेह के लिए बस मार्ग है। काजा और केलांग के रास्तें में खेकसर, सिस्तु, गांधला आदि स्थान दर्शनीय हैं। भागा के तट पर बसा केलांग लाहौल स्पीति का मुख्यालय और प्रमुख बाजार है। केलांग अपने खुले भूभाग और सुंदरता के कारण पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहां अनेक बौद्ध मंदिर और प्राचीन मठ हैं।

ताबो मठ : प्रसिद्ध ताबो मठ लगभग एक हजार साल पहले बना था। यह बौद्ध विहार अनेक प्रतिमाओं, चित्रों, दुर्लभ पांडुलिपियों और प्रचीन वाद्ययंत्रों का संग्रहालय है। जिसमें बौद्ध लामा व भिक्षुओं का समाज रहता था, जो लोगों को ध्यान, ज्ञान की दीक्षा देता था। ताबो में 9 मंदिर, 23 स्तूप देखने लायक हैं।

पिन घाटी : हिमालय की बेहद खूबसूरत घाटी है पिन। ट्रैकिंग के लिए यहां काफी लोग आते हैं। यहां के जंगलों में बर्फीले इलाकों का तेंदुआ और आइबैक्स पाए जाते हैं। ये दोनों जानवर अब विलुप्ति के कगार पर हैं।

पर्यटन का खजाना मध्यप्रदेश

पर्यटन में अलग ही पहचान रखता हैं मांडू

भारत के हृदय स्थल मध्यप्रदेश में पर्यटन के ऐसे बहुत से स्थल है जहां देश विदेश के असंख्य सैलानी इन्हें देखने आते हैं। धार्मिक महत्व के अलावा पुरातात्विक महत्व के इन स्थलों में कान्हा किसली, महेष्वर खजुराहो, भोजपुर, ओंकारेश्वर, सांची, पचमढ़ी, भीमबेटका, चित्रकूट, मैहर, भोपाल, बांधवगढ़, उज्जैन, आदि उल्लेखनीय स्थल हैं।

कान्हा किसली

940 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विकसित कान्हा टाइगर रिजर्व राष्ट्रीय उद्यान हैं। इसे देखने के लिए किराये पर जीप, टाइगर ट्रेकिग के लिए हाथी पर सवार होकर उद्यान को देख सकते हैं। कान्हा में वन्यप्रणियों की 22 प्रजातियों के अलावा 200 पक्षियों की प्रजातिया है। यहां बामनी दादर एक सनसेट प्वाइंट है। यहां से सांभर और हिरण जैसे वन्यप्रणियों को आसानी से देख जा सकता है। लोमड़ी और चिंकारा जैसे वन्यप्राणी कम ही देखने को मिलते हैं। कान्हा जबलपुर, बिलासपुर और बालाघाट से सड़क माग से पहुंचा जा सकता है। नजदीकी विमातल जबलपुर में हैं।

महेश्वर

रामायण और महाभारत में महेश्वर को महिष्मती के नाम से संबोधित किया गया है। देवी अहिल्याबाई होल्कर के समय में बनाए गए सुंदर घाटों का प्रतिबिम्ब नदी में दिखाई देता है। महेश्वर किले के अंदर रानी अहिल्याबाई की राजगद्दी पर बैठी एक प्रतिमा रखी गई हैं। महेश्वर घाट के आसपास कालेश्वर, राजराजेश्वर, विट्ठलेश्वर और अहिलेश्वर के सुन्दर मंदिर हैं। इंदौर विमानतल से 91 किलोमीटर पर महेश्वर स्थित हैं।

भीमबेटका

भोपाल से 46 किमी की दूरी पर स्थित है भीमबेटका जहां हजारों साल पुरानी गुफाएं हैं। इस पर्यटन स्थल की विशेषता चट्टानों पर हजारों वर्ष पूर्व बनी चित्रकारी एवं करीब 500 गुफाएं हैं। यहां प्राकृतिक लाल और सफेद रंगों से वन्यप्राणियों के शिकार दृष्यों के अलावा घोड़े, हाथी, बाघ आदि चित्र उकेरे गए हैं। इसके अलावा आदिपुरुष एवं जीवों के विभिन्न रूपों में अनेक प्रकार के प्राचीन चित्र होने के साथ ही आदिमानव द्वारा निर्मित भीत्ती चित्रों की दुर्लभ श्रृंखला देखते ही बनती है। यहा पिकनिक के लिए उपयुक्त स्थान है। यहां पुरातत्व का अथाह खजाना भरा पड़ा हैं। सैलानी यहां सदैव आते-जाते रहते हैं। भोपाल से नजदीकी के कारण भीमबेटका में रुकने के साधन नहीं हैं। जहां सड़क मार्ग द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता हैं।

मांडू

मध्यप्रदेश में यों तो पर्यटन स्थलों का अथाह भंडार है किन्तु उनमें भी मांडू अपनी विशिष्टता के लिए अपना अलग ही स्थान रखता है। कहने वाले इसे खंडहरों के गांव के नाम से भी संबोधित करते हैं परंतु इन खंडहरों के बोलते पत्थर हमें इतिहास के कथा बयां करते है जिसमें रानी रूपमती और बादशाह बाज बहादुर के अमर प्रेम और मांडू के षासकों की विष्शल समृद्ध विरासत व शानो-शोकत के साथ ही हरियाली से आच्छादित पर्यटको का स्वागत करते जहां के प्राचीन दरवाजे। धुमावदार रास्तों के साथ ही सीताफलों से लबालब भरे पेड़, कमलगटे, इमली के विषाल वृक्ष बरबस ही पर्यटको को अपनी ओर आकर्षित करे बिना नहीं रहते।

विंध्याचल की पहाड़ियों पर लगभग दो हजार फीट की ऊचाई पर स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ के नाम से भी जाना जाता है हिंडोला महल, रानी रूपमती का महल, जहाज महल, जामा मस्जिद, अशरफी महल, जैन धर्म का 1472 ई. की पार्श्वनाथ की श्वेत पद्मासन प्रतिमा देखने योग्य है। नीलकंठ महल की दीवारों पर अकबरकालीन कला की नक्काशी भी देखने योग्य हैं। अन्य स्थलों में हाथी महल, दरियाखान की मजार, दाई का महल, दाई की छोटी बहन का महल, मलिक मघत की मस्जिद और जाली महल भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

यहां मई ओर जून में गर्मी अधिक पड़ने के कारण जाना उचित नहीं हैं। जुलाई से मार्च तक यहां सैलानियों का जमघट लगा रहता है। यहीं एक रेवा कुंड का निर्माण बादशाह बाजबहादुर ने अपनी प्रेमिका रानी रूपमती के महल में पानी की प्र्याप्त व्यवस्था के स्त्रोत के रूप में करवाया था।

मांडू में 12 प्रवेश द्वारा 45 किलोमीटर की परिधी में निर्मित हैं। जिनमें 'दिल्ली दरवाजा प्रमुख हैं। शैल और चट्टानों से सराबोर मांडू के बारे में यह जानना आवष्यक है कि मालवा के राजपूत परमार षासक भी बाहरी आक्रमण से अपनी रक्षा के लिए मांडू को ही सबसे सुरक्षित जगह मानते थे।

मांडू में देवादिदेव नीलकंठ शिवजी का मंदिर है जिसमें जाने के लिए अंदर सीढ़ी उतरना पड़ता है। इस मंदिर के सौन्दर्य और पेड़ों से घिरे तालाब से एक धार नीचे शिवजी का अभिषेक करती हुई प्रतीत होती है।

धार से लगभग 33 और इंदौर से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित मांडवगढ़ (मांडू) पहुंचने के लिए इंदौर व रतलाम निकट के रेल्वे स्टेशन है। बसों से भी मांडू जाया जा सकता है।

वास्तुकला का अनुपम संगम भोजपुर

मध्यप्रदेश की गंगोजमुनी तहजीव से परिपूर्ण राजधानी भोपाल से 32 किलोमीटर दूर 11 वीं सदी के परमारवंशीय राजा भोज प्रथम (ईस्वी 1010-1035) द्वारा बेतवा नदी के किनारे बना उच्च कोटि की वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण है भोजपुर, जिसे भोजेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस पर्यटन स्थल पर स्थापित मंदिर की विशालता का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि इसका चबूतरा 35 मीटर लंबा, 25 मीटर चैड़ा और 4 मीटर ऊंचा है। भारी भरकम पत्थरों से बना यह चबूतरा अपने आप में अद्वितीय है। हजारों टनों की वजनदार अनेक पत्थरों को इस चबूतरे पर चढ़ाकर मंदिर के गर्भगृह का निर्माण किया गया है। मान्यता है कि यहां स्थापित शिवलिंग देश का सबसे ऊंचा शिवलिंग है 26 फीट ऊंचाई के गढ़े हुए गौरी पट्ट पर स्थित शिवलिंग की ऊंचाई साढ़े सात फीट तथा उसकी परिधि 18 फीट है। शिव भक्त ने उक्त मंदिर का निर्माण अपने पिता की स्मृति में करवाया था जिसका डिजाइन 'स्वर्गारोहणप्रसाद कहलाता है। मंदिर से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर जैन मंदिर है। जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएं है। 20 फीट ऊंची भगवान महावीर स्थापित है। यहां वर्ष भर श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का आना जाना लगा रहता है। लेकिन महाशिवरात्रि, सावन मास एवं अन्य त्यौहारों पर यहां लगने वाले मैलों में दूरदराज के गांवों से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या देखते ही बनती है। यहां पहुंचने के लिए आवगमन के अनेक साधन उपलब्ध है। यहां देश के किसी भी कोने से हवाई या रेलमार्ग द्वारा भोपाल पहुंच सकते हैं। भोपाल से होषंगाबाद रोड, या मंडीदीप की बस में बैठकर भोजपुर उतरें। एवं वहां से मंदिर पैदल चलें। मंदिर की 5 किलोमीटर परिधि में ठहरने का कोई स्थान नहीं हैं अत: भोपाल ही ठहरने के लिए उपयुक्त स्थान है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिकी राजनीतिक उम्मीदवारों व दलों को एक्स पर मिलेगी विज्ञापन की अनुमति

सैन फ्रांसिस्को ।एलन मस्क द्वारा संचालित एक्स जो कि पूर्व में ट्विटर होता था, ने कहा है कि वह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले अमेरिकी राजनीतिक उम्मीदवारों और पार्टियों को अपने मंच पर विज्ञापन की अनुमति देगा। एक्स ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि स्वतंत्र अभिव्यक्ति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, हम राजनीतिक विज्ञापन की भी अनुमति देने जा रहे हैं। अमेरिका से शुरू करके, हम भुगतान के लिए प्रचारित राजनीतिक पोस्टों पर विशिष्ट नीतियों को लागू करना जारी रखेंगे। नीतियों में स्वतंत्र और खुले राजनीतिक भाषण को संरक्षित करने की मांग करते हुए, चुनाव में जनता के विश्वास को कमजोर करने के उद्देश्य से झूठी या भ्रामक जानकारी सहित झूठी या भ्रामक सामग्री के प्रचार पर रोक लगाना शामिल होगा। गौरतलब है कि राजनीतिक विज्ञापनों को पहली बार 2019 में ट्विटर पर प्रतिबंधित किया गया था, जब तत्कालीन सीईओ जैक डोर्सी ने तर्क दिया था कि राजनीतिक संदेश पहुंच अर्जित की जानी चाहिए, खरीदी नहीं जानी चाहिए। साल की शुरुआत में, कंपनी ने महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्वजनिक बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व का हवाला देते हुए कारण-आधारित विज्ञापनों पर प्रतिबंधों में ढील दी। इसके अलावा, कंपनी ने कहा कि वह एक वैश्विक विज्ञापन पारदर्शिता केंद्र भी प्रदान करेगी, ताकि हर कोई एक्स पर प्रचारित किए जा रहे राजनीतिक पोस्ट की समीक्षा कर सके, इसके अलावा मजबूत स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं के अलावा यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल योग्य समूह और अभियान ही विज्ञापन कर सकें। इसके अलावा, एक्स ने उल्लेख किया कि वह अपनी सुरक्षा और चुनाव टीमों का विस्तार कर रहा है, ताकि हेरफेर से निपटने, अप्रामाणिक खातों को सामने लाने पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।

अरेस्ट वारंट जारी होने के बाद इस देश में कदम रखने को तैयार हुए पुतिन

मॉस्को। यूक्रेन के खिलाफ जंग छेड़ने के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी हुआ हैं। अरेस्ट वारंट जारी होने के बाद वह पहली बार रूस से बाहर कदम रखने वाले हैं। हालांकि पुतिन जी20 शिखर सम्मेलन में शिरकत करने भारत नहीं आ रहे हैं। अरेस्ट वारंट जारी के बाद पुतिन अक्टूबर में चीन की अपनी पहली विदेश यात्रा करने पर सहमत हो गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुतिन इस साल के अंत में बेल्ट एंड रोड फोरम के लिए चीन में कदम रखने के लिए तैयार हैं। एक सूत्र के हवाले से कहा गया हैं कि रूसी राष्ट्रपति द्वारा सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण को स्वीकार करने के बाद क्रेमलिन पुतिन की चीन यात्रा की तैयारी कर रहा है। बता दें कि हेग की अंतरराष्ट्रीय अदालत द्वारा वारंट की घोषणा के बाद से पुतिन ने रूसी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को पार नहीं किया है। पिछले दिनों, पुतिन दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी शामिल नहीं हुए थे, क्योंकि कोपेनहेगन में स्थानीय सरकार ने कहा था कि वह अंतरराष्ट्रीय अदालत में हस्ताक्षरकर्ता के रूप में उन्हें गिरफ्तार करने के आईसीसी के आदेश का पालन करेगी। वहीं पुतिन ने सितंबर में नई दिल्ली में होने वाले आगामी जी20 शिखर सम्मेलन से भी खुद को अलग कर लिया है, हालांकि भारत आईसीसी पर हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से पुतिन ने केवल पड़ोसी पूर्व सोवियत संघ देशों और ईरान की यात्रा की है। सूत्र ने बताया कि पुतिन केवल उन देशों का दौरा करने के इच्छुक हैं, जहां उनकी सुरक्षा की पूरी गारंटी है और चीन उन स्थानों में से एक है।

वैगनर प्रमुख प्रिगोझिन को सेंट पीटर्सबर्ग में दफनाया

सेंट पीटर्सबर्ग ।वैगनर सैन्य समूह के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन को उनके मूल रूसी शहर सेंट पीटर्सबर्ग में निजी तौर पर दफनाया गया। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार प्रिगोझिन की प्रेस सेवा ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को गुपचुप कर दिया गया, जो लोग उन्हें सम्मान देना चाहते हैं, वे सेंट पीटर्सबर्ग में कब्रिस्तान का दौरा कर सकते हैं। रूस की एक समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रिगोझिन के परिवार की इच्छा के अनुसार केवल उनके परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों को अंतिम संस्कार में आमंत्रित किया गया था। गौरतलब है कि 23 अगस्त को एक रूसी निजी जेट मॉस्को से सेंट पीटर्सबर्ग जाते समय रूस के टावर क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, इसमें सवार सभी 10 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में प्रिगोझिन और वैगनर के कुछ वरिष्ठ सदस्य भी शामिल थे।

ब्रिटेन की हवाई यात्रा सामान्य होने में लगेगा समय : परिवहन सचिव

लंदन ।ब्रिटिश परिवहन सचिव मार्क हार्पर ने कहा है कि हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) प्रणाली में तकनीकी खराबी आने से उड़ानें रद्द होने या इनमें देरी होने के बाद यात्रा व्यवधान कई दिनों तक रह सकता है। उन्होंने बताया कि बहुत सारी उड़ानें रद्द कर दी गईं है, इसे सामान्य होने में कुछ दिन लगेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार एविएशन एनालिटिक्स कंपनी के डेटा से पता चला है कि एटीसी सिस्टम को मैन्युअल बैकअप सिस्टम पर वापस जाने के लिए मजबूर किए जाने के बाद सोमवार को 1,500 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। मंगलवार तक यूके में हवाईअड्डों से जाने वाली और पहुंचने वाली नियोजित उड़ानों में से पांच प्रतिशत को रद्द कर दिया गया है। हार्पर ने कहा कि इस परिमाण की समस्या पर एक स्वतंत्र समीक्षा होनी चाहिए, इसमें कोई साइबर हमला शामिल नहीं था। कुछ एयरलाइनों ने अपने शेड्यूल को समायोजित करते समय यात्रियों को अपरिहार्य देरी की चेतावनी दी है। यूके भर के हवाई अड्डों ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे हवाई अड्डों पर यात्रा करने से पहले सीधे अपनी एयरलाइनों से अपनी उड़ानों की स्थिति की जांच करें।

यूक्रेन को 250 मिलियन डॉलर की अमेरिकी सैन्य सहायता की घोषणा

वाशिंगटन ।अमेरिका ने यूक्रेन को 250 मिलियन डॉलर के अतिरिक्त सैन्य सहायता की घोषणा की है। एक समाचार एजेंसी ने बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि नए पैकेज में वायु रक्षा के लिए एआईएम-9एम मिसाइलें, हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम के लिए युद्ध सामग्री, 155 मिमी और 105 मिमी तोपखाने, गोला-बारूद और 3 मिलियन से अधिक राउंड छोटे हथियार गोला-बारूद शामिल हैं। अगस्त 2021 से यूक्रेन को बाइडेन की प्रशासन की यह 45वीं सैन्य सहायता है। बाइडेन प्रशासन के सत्ता में आने के बाद से अमेरिका ने यूक्रेन को 43.7 बिलियन डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता देने का वादा किया है, इसमें फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से 43 बिलियन डॉलर से अधिक शामिल है।

भारतीय मूल की महिला पर जबरन वसूली का आरोप लिया वापस

सिंगापुर ।सिंगापुर में 27 वर्षीय भारतीय मूल की एक महिला पर लगे जबरन वसूली के आरोप को वापस ले लिया है। मिली जानकारी के अनुसार महिला पर एक व्यक्ति से 1,800 सिंगापुरी डॉलर की जबरन वसूली का आरोप लगाया था। जिसे बाद में वापस ले लिया और चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार तान्या पाल पर इस साल मार्च में जबरन वसूली का एक आरोप लगाया गया था और पुलिस ने उसे इसी तरह के तीन अन्य मामलों से जोड़ा था, जिसमें कम से कम 19 हजार सिंगापुरी डॉलर की कुल राशि शामिल थी। अटॉर्नी-जनरल चैंबर्स (एजीसी) ने मीडिया से कहा कि अभियोजन पक्ष ने तान्या को बरी करने के लिए आवेदन किया था, जिसे अदालत ने इस महीने की शुरुआत में मंजूरी दे दी थी।

लंदन में सांभा डांसर पारंपरिक नाटिंग हिल कार्निवल में भाग लेते हुए।

इजराइल और लीबिया के विदेश मंत्रियों के बीच गुप्त बैठक, लीबिया में बवाल

तेलअवीव ।इजराइल के लीबिया सरकार के साथ पर्दे के पीछे हो रही बातचीतके सार्वजनिक होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। बातचीत को सार्वजनिक करने के बाद लीबियाई सरकार संकट में है। दुश्मन देश इजरायल की विदेश मंत्री की लीबिया के विदेश मंत्री के बीच गुप्त बैठक के बाद इजरायली विदेश मंत्री एली कोहेन ने कह दिया कि उन्होंने बीते हफ्ते अपने लीबियाई समकक्ष नजला अल-मंगौश से गुप्त रूप से मुलाकात की है। इसके बाद लीबिया में इजरायल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। विरोध इतना बढ़ा कि लीबिया की सरकार ने अपनी विदेश मंत्री को बर्खास्त कर दिया।

इजराइल के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि लीबिया के साथ 'ऐतिहासिक' मुलाकात की जानकारी देकर इजराइल और लीबिया के बीच 'संबंधों को स्थापित करने की दिशा में पहला क़दम' बताया था। विदेश मंत्री कोहेन ने बताया था कि इजराइल और लीबिया के विदेश मंत्रियों के बीच रोम में मुलाकात हुई है। इसके बाद बवाल मचना शुरू हो गया। अमेरिका ने मामले को लेकर इजरायली सरकार से अपना विरोध जताया है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि बैठक के सार्वजनिक होने के बाद जो हालात बने हैं, उससे न केवल लीबिया और इजरायल के संबंध और अधिक बिगड़ने वाले हैं, बल्कि अरब देशों में शांति के प्रयासों को झटका लगेगा और अमेरिका के राष्ट्रीय हितों को भी नुकसान होगा। गुप्त बैठक के सार्वजनिक होने के बाद से ही लीबिया में प्रदर्शन हो रहे हैं, जिसने देश की संयुक्त राष्ट्र मान्यता प्राप्त सरकार को अस्थिर कर दिया है। प्रदर्शनकारियों ने राजधानी त्रिपोली की सड़कों पर जबरदस्त प्रदर्शन किया और कुछ लोगों ने विदेश मंत्रालय पर भी धावा बोल दिया।

भारत की मदद से फ्रांस ने लिया अल्जीरिया से बदला, ब्रिक्स से किया बाहर

-पीएम मोदी के आगे फेल हो गया चीन का दांव, वीटो पॉवर का किया उपयोग

पेरिस(एजेंसी)। भारत ने अपने वीटो पॉवर का उपयोग करके अल्जीरिया को ब्रिक्स में शामिल होने से रोक दिया। इससे चीन का दांव फेल हो गया वहीं फ्रांस को भारत का साथ मिल गया। भारत और फ्रांस, अब दोनों देश एक मजबूत गठबंधन के तौर पर उभर रहे हैं। दोनों देशों की दोस्ती दिन पर दिन और गहरी होती जा रही है। इस दोस्ती का नमूना ब्रिक्स सम्मेलन में भी देखने को मिला। फ्रांस यूं तो इस संगठन का सदस्य नहीं है लेकिन इसका असर दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में भी महसूस किया गया। यहां पर भारत ने अपनी दोस्ती की मिसाल पेश की और अल्जीरिया की एंट्री को ब्लॉक कर दिया। एशिया की राजनीति पर नजर रखने वाले मीडिया की एक रिपोर्ट पर अगर यकीन करें तो फ्रांस के अनुरोध पर भारत ने उत्तरी अफ्रीकी देश अल्जीरिया के खिलाफ अपनी वीटो पावर का प्रयोग किया। ऐसे में अल्जीरिया को संगठन में शामिल नहीं किया जा सका। अल्जीरिया पिछले काफी समय से ब्रिक?स में शामिल होने का इंतजार कर रहा था।

मिली जानकारी के अनुसार फ्रांस की इंटेलीजेंस एजेंसी ने ब्रिक्स सम्मेलन से पहले अपने भारतीय समकक्षों से संपर्क किया था। फ्रांस ने भारत से अल्जीरिया के संगठन में प्रवेश को रोकने की

रिक्वेस्ट की थी। उसका मदद इस कदम का मकसद सहेल क्षेत्र में अल्जीरिया के बढ़ते प्रभाव को रोकना था। साथ ही चीन और अल्जीरिया के बीच भी संबंध मजबूत हो रहे हैं। फ्रांस नहीं चाहता था कि उसकी कीमत पर अल्जीरिया, अपने क्षेत्र में चीन को मजबूत करे। इस कदम को फ्रांस का अल्जीरिया से लिया हुआ एक तरह का बदला करार दिया जा रहा है। पेरिस और अल्जीरिया के बीच नाइजर में तख्तापलट के बाद से तनाव बढ़ गया है। नाइजर में हुआ तख्तापलट सहेल क्षेत्र में पश्चिम विरोधी आंदोलन का ताजा उदाहरण है। तब से, अल्जीरिया ने नाइजर में इकोवास के सैन्य अभियान का विरोध किया है। उसने संकट के शांतिपूर्ण समाधान में बातचीत की भूमिका पर जोर दिया है। इसके अलावा उसने फ्रांस के सैन्य विमानों को अल्जीरियाई हवाई क्षेत्र में उड़ने की अनुमति नहीं दी है। फ्रांस की इस साजिश का खुलासा दक्षिण अफ्रीका में शिखर सम्मेलन में हुआ। एम रिपोर्ट के अनुसार भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैंक्रो के अनुरोध में एक मौका देखा। बताया जा रहा है कि अधिकारियों को पश्चिमी मदद की पेशकश की गई थी ताकि फ्रांस के पूर्व उपनिवेशों के तौर पर छोड़ी गई इन जगहों में भारत अपने प्रभाव को बढ़ा सकें। फ्रांस ने दशकों से भारत की सरकारों के साथ संबंध मजबूत रखे हैं।

पाकिस्तान सरकार को गृहयुद्ध की चेतावनी

- गिलगित बाल्टिस्तान के लोगों ने भारत के साथ मिलने की दी धमकी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के गिलगित बाल्टिस्तान क्षेत्र में एक बार फिर असंतोष और अशांति फैल गई है। स्थानीय लोग बड़ी संख्या में एकत्र होकर पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने लगे और अपने नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग करते नजर आए। स्थानीय लोगों ने पाकिस्तानी सरकार को गृहयुद्ध की भी धमकी दी और कहा कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे भारत में विलय कर लेंगे। एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में देखा जा सकता है कि एक स्थानीय नेता गिलगित बाल्टिस्तान के स्कर्दू में एक मस्जिद के पास इकट्ठा हुई एक बड़ी भीड़ को संबोधित कर रहा है। नेता स्पष्ट रूप से कहते हैं कि यदि पाकिस्तानी सरकार उनके नेताओं को गिरफ्तार करने की हिम्मत करती है, तो वे कारगिल के दरवाजे तोड़ देंगे, यह संकेत देते हुए कि वे भारत में शामिल होंगे।

नारे लगाए जाते हैं और किसी से न डरने की कसमें खाई जाती हैं। भीड़ दहाड़ते हुए नेता कहते हैं, हम कारगिल जाएंगे और हमें कोई नहीं रोक पाएगा।% भीड़ का उन्माद चरम पर पहुंचने पर नेता कहते हैं। इन आतंकवादियों को हटाओ, मेरे पास दो एफआईआर हैं, हमें क्यों उकसाया जा रहा है। पहले भी बड़े पैमाने पर सभाएं होती थीं। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में शिया मौलवी के खिलाफ एफआईआर को लेकर शिया मुसलमानों द्वारा गिलगित बाल्टिस्तान के स्कर्दू में भारी विरोध प्रदर्शन देखा गया।

पाकिस्तानी एजेंसियों द्वारा एक शिया मौलवी पर मामला दर्ज किए जाने के बाद गिलगित बाल्टिस्तान में शिया मुसलमान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। असंतोष ईशनिंदा बिल और कानूनों को लेकर भी है, जिन्हें और भी सख्त बना दिया गया है। इसे लेकर समुदाय के लोगों में नाराजगी है। दिसके बाद स्कार्दू में भारी संख्या में लोगों ने पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। गिलगित बाल्टिस्तान के लोगों में ईशनिंदा कानून को और सख्त बनाए दाने को लेकर नाराजगी है।

कोविड के नए स्ट्रेन ने डाला डॉक्टरों और विशेषज्ञों में चिंता

-वैक्सीन लगवा चुके लोगों के लिए भी खतरा!

वाशिंगटन (एजेंसी)। कोरोना वायरस समय-समय पर नए तरीके से वापसी कर लोगों को अपने बारे में भूलने नहीं दे रहा है। कोविड के बारे में एक बात की गारंटी दी जा सकती है कि अब इसके नए वेरिएंट समय-समय पर सामने आते रहेंगे। इनमें से कुछ वेरिएंट लोगों को संक्रमित करने में अधिक सफल होंगे। जानकारी के मुताबिक ए.2.86 (परोला) एक ऐसा नया स्ट्रेन है जिसने कुछ डॉक्टरों और विशेषज्ञों में चिंता पैदा कर दी है।इसके फैलने का पैटर्न अलग है।खासकर वायरस की सतह पर अणु जो इसे अनलॉक करने और हमारी कोशिकाओं में प्रवेश करने के लिए एक कुंजी की तरह कार्य करता है।यह वैक्सीन ले चुके लोगों को भी प्रभावित करता है।शायद स्पाइक में बदलाव का मतलब वायरस के व्यवहार के तरीके में बदलाव हो सकता है।लेकिन जैसी स्थिति है इसके बारे में निश्चित होने के लिए अच्छा डेटा उपलब्ध नहीं है।चिंता यह है कि संक्रमण एक नई लहर पैदा कर सकती है। इस खबर ने एक बार फिर लोगों में चिंता बढ़ा दी है।कोरोना महामारी की शुरुआत सबसे ज्यादा पूछा जाने वाला प्रश्न यही था कि मास्क किस प्रकार से लगाना चाहिए।अब एक बार फिर मास्क को लेकर सवाल उठने लगा है कि क्या मास्क दोबारा से पहनना पड़ सकता है।अब जबकि कोविड का खतरा काफी हद तक कम हो गया है, जब भी संक्रमण की संख्या बढ़ने लगती है तो लोगों को फिर से मास्क लगाने की बात सुर्खियों में छा जाती है।हर तरफ मास्क लगाने का दिशा-निर्देश जारी होने लगता है।हालांकि विशेषज्ञ देख रहे हैं कि कोरोना का यह नया वेरिएंट कितना संक्रामक हो सकते है और इलाज के प्रति यह कैसा रुख अपनाता है। उनका कहना है कि हम नहीं जानते कि इसने कितने लोगों को संक्रमित किया है।यदि यह व्यापक रूप से फैल गया है, तो ऐसा लगता है कि केवल मुट्ठी भर लोगों को ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जो दर्शाता है कि वैक्सीन और पिछले संक्रमणों से प्राप्त प्रतिरक्षा अभी भी हमें गंभीर, जीवन-घातक कोविड से बचा रही है।अभी विशेषज्ञों का कहना है कि जांच के पहले दौर में पता चला है कि बीए.2.86 वैरिएंट उन लोगों को भी बीमार कर सकता है, जिन्होंने कोरोना की कोई न कोई वैक्सीन लगवा रखी है।विशेषज्ञों की मानें तो बीए.2.86 विश्व स्तर पर फैल गया है।

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भारत के मुरीद हुए पुतिन

-चीन से किनार कर इसरो के साथ आने को तैयार

मॉस्को (एजेंसी)। चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफल लैंडिंग के बाद रूस, भारत का मुरीद हो गया है। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस भारत के इसरो के साथ अंतरिक्ष के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को और ज्यादा बढ़ाने को तैयार है। इसकी पुष्टि सोमवार को हुई जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन पर चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग पर फिर से बधाई दी। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि बातचीत के दौरान दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष सहयोग को मजबूत करने पर भी सहमति बनी। रूस वर्तमान में अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। लेकिन, लूना-25 की असफलता के बाद चीन की रवैये को देखकर रूस ने भारत के साथ हाथ मिलाने का फैसला किया है।

क्रेमलिन ने कहा कि पुतिन ने भारतीय अंतरिक्ष

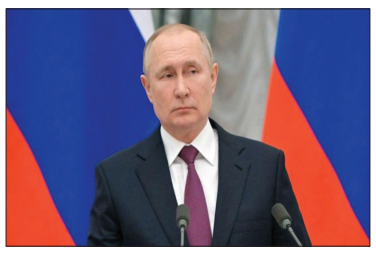

स्टेशन चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के लिए एक बार फिर भारतीय प्रधानमंत्री मोदी को हार्दिक बधाई दी। इस दौरान अंतरिक्ष क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को और विकसित करने की तत्परता की पुष्टि की गई। तमिलनाडु में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र के माध्यम से नागरिक परमाणु सहयोग और गगनयान कार्यक्रम के माध्यम से अंतरिक्ष अन्वेषण भारत-रूस विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के महत्वपूर्ण घटक बने हुए हैं।

रूस अंतरिक्ष में भारत के पहले मानव मिशन गगनयान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस 2024 के चौथी तिमाही में लॉन्च करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद पिछले कुछ वर्षों में रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के बीच सहयोग में भारी वृद्धि देखी गई है। इसमें मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम और उपग्रह नेविगेशन भी शामिल हैं।

इसरो और रोस्कोस्मोस ने अंतरिक्ष में सहयोग पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका लक्ष्य लांच व्हीकल्स के विकास, विभिन्न कार्यों के लिए अंतरिक्ष यान का निर्माण और उपयोग, जमीन आधारित अंतरिक्ष बुनियादी ढांचे के साथ-साथ ग्रहों की खोज सहित शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए भारत और रूस की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए एक साझेदारी को विकसित करना है। रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) ने 1962 में थुम्बा इक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन (टीईआरएलएस) स्थापित करने में भारत की मदद की थी। रूस उन तीन देशों में से एक था, जिसने भारत को अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उदय में बड़े पैमाने पर योगदान दिया।

चीन के साथ रिश्ते सुधारना चाहता है ब्रिटेन? विदेश मंत्री क्लेवरली पहुंचे बीजिंग

बीजिंग। ब्रिटेन के शीर्ष राजनयिक जेम्स क्लेवरली ने बुधवार को चीन की लंबे समय से प्रतीक्षित यात्रा शुरू की है। दोनों देश हाल के वर्षों में तल्ख हुए द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं। यह यात्रा यूनाइटेड किंगडम के विदेश सचिव की पांच साल से अधिक समय में पहली चीन यात्रा है, जो पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश हांगकांग में बीजिंग द्वारा नागरिक स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने, शिनजियांग क्षेत्र में मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ दुर्व्यवहार, चीन के समर्थन पर संबंधों में गिरावट को रेखांकित करती है। क्लेवरली ने सबसे पहले उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की, जिन्होंने कहा कि यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों के मजबूत और स्थिर विकास को और बढ़ावा देगी। बाद में अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात करेंगे, जो सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के विदेशी मामलों के शीर्ष अधिकारी हैं और हाल ही में अपने पूर्ववर्ती किन गैंग के अज्ञात रूप से लापता होने के बाद विदेश मंत्री का कार्यभार संभाला है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि बीजिंग को उम्मीद है कि ब्रिटिश पक्ष 'आपसी सम्मान की भावना को बनाए रखने, आदान-प्रदान को गहरा करने, आपसी समझ बढ़ाने और चीन-ब्रिटिश संबंधों के स्थिर विकास को बढ़ावा देने के लिए हमारे साथ काम करेगा।

सजा निलंबित होने के बावजूद चुनाव नहीं लड़ पाएंगे इमरान, हाई कोर्ट से मिली राहत भी नहीं आ पाएगी काम

इस्लामाबाद (एजेंसी)। एक प्रमुख वकील ने कहा है कि इमरान खान की कानूनी टीम ने ट्रायल कोर्ट के 5 अगस्त के फैसले को निलंबित करने का अनुरोध न करके एक महत्वपूर्ण गलती की है, जिसके कारण उन्हें तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में कारावास की सजा हुई, क्योंकि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री उच्च न्यायालय के बावजूद जेल में हैं। उसकी तीन साल की सज़ा को निलंबित कर दिया।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के 70 वर्षीय अध्यक्ष अटक जेल में हैं और आगामी आम चुनाव नहीं लड़ सकते क्योंकि तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में उनकी सजा और अयोग्यता बरकरार है। खान की कानूनी टीम ने ट्रायल कोर्ट के 5 अगस्त के फैसले को निलंबित करने का अनुरोध न करके एक महत्वपूर्ण गलती की। अधिवक्ता फैसल सिद्दीकी ने टिप्पणी की, उन्होंने केवल उसकी सजा को निलंबित करने और जमानत पर रिहा करने का अनुरोध किया।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के हवाले से सिद्दिकी ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के फैसले को निलंबित करने का अनुरोध किया गया होता, तो इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने मामले की खूबियों पर व्यापक चर्चा की होती। इसके अलावा, अगर ट्रायल कोर्ट के फैसले को निलंबित कर दिया गया होता, तो इमरान खान आगामी चुनाव लड़ सकते थे। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी की खंडपीठ ने बुधवार को खान की सजा को निलंबित कर दिया और पंजाब प्रांत की जेल से उनकी रिहाई का आदेश दिया। आईएचसी के संक्षिप्त फैसले पर टिप्पणी करते हुए, वकील हाफिज अहसान अहमद ने कहा कि फैसला असामान्य या अभूतपूर्व नहीं है क्योंकि निलंबन की प्रबल संभावना थी।

चंद्रयान 3 की डिजाइन बनाने वाले फर्जी व्यक्ति को क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

सूरत । इसरो के चंद्रयान-3 मिशन के लैंडर के डिजाइन बनाने का दावा करने मितुल त्रिवेदी को सूरत सिटी पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि त्रिवेदी के दावों को इसरो के अधिकारियों ने सिरे से खारिज कर दिया है, इसके कारण उसकी गिरफ्तारी हुई। त्रिवेदी ने हाल ही में चंद्रयान-3 के लैंडर के डिजाइन के पीछे एक प्रमुख व्यक्ति होने के अपने दावे को लेकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया, उन्होंने दावा किया कि इनोवेशन ने लैंडिंग पर धूल के बिखरने को रोका। पुलिस ने शुरू में त्रिवेदी को वेरिफिकेशन के लिए बुलाया था, लेकिन अपने दावों को साबित करने में असमर्थता के चलते मामला क्राइम ब्रांच ने देखा। वहीं बेंगलुरु स्थित इसरो मुख्यालय ने अंतरिक्ष एजेंसी के साथ उसके इस दावे का खंडन किया। पुलिस ने त्रिवेदी की क्वालिफिकेशन की जांच की। उनके दावे प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूशन में एकेडमिक के दावों तक विस्तारित हुए, इनमें क्वांटम फिजिक्स के लिए कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और एंथ्रोपोलॉजी और वेदांत के लिए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी शामिल हैं, जिसका समापन पीएचडी में हुआ। त्रिवेदी ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण में सदस्यता और 45 प्राचीन भाषाओं को पढ़ने में असाधारण दक्षता का भी दावा किया था। बाद में उन्हें सूरत पुलिस की स्पेशल ब्रांच के डीसीपी हेतल पटेल ने तलब किया। अधिकारियों ने उनके दावे के समर्थन में दस्तावेजों का अनुरोध किया था, जिसे पूरा करने में त्रिवेदी विफल रहे। यह पहली बार नहीं है जब त्रिवेदी ने असाधारण दावे किए हैं। इससे पहले उन्होंने दक्षिण गुजरात के ओलपाड के पास समुद्र में द्वारिका नाम की एक स्वर्ण नगरी के अस्तित्व पर दावा किया था।

2024 में पीएम मोदी को वापस लाने का भाजपा ने किया दावा

नई दिल्ली । भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2024 में फिर से वापस लाने का दावा किया है। भाजपा ने उनकी तुलना टर्मिनेटर से करते हुए दावा किया है कि विपक्ष को यह लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2024 के लोक सभा चुनाव में हराया जा सकता है लेकिन विपक्ष सपने देख रहा है तो सपने देखते रहें, टर्मिनेटर हमेशा जीतता है और 2024 में भी मोदी ही वापस आने वाले हैं। भाजपा ने बुधवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को द टर्मिनेटर बताने वाला पोस्टर रिलीज करते हुए लिखा है कि विपक्ष को लगता है कि पीएम मोदी को हराया जा सकता है। सपने देखते रहो! टर्मिनेटर हमेशा जीतता है। पोस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल के फूल को दिखाते हुए मोदी को टर्मिनेटर बताया गया है और उनकी तरफ से यह दावा किया गया है कि, 2024 ! मैं वापस आऊंगा। दरअसल, 2024 की चुनावी लड़ाई अब जनता के मैदान के साथ-साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी लड़ी जा रही है और इस लड़ाई में सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही एक दूसरे पर पोस्टर, कार्टून और वीडियो के जरिए राजनीतिक निशाना साधने में लगे हुए हैं।

सिसोदिया को कट्टर ईमानदार कहते थे, 6 माह से जेल में : बीजेपी

नई दिल्ली । बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भ्रष्?टाचारी होने के गंभीर आरोप लगाकर कहा कि वे और उनकी पार्टी कट्टर बेईमान है। उनके पास शराब घोटाले के संबंध में कोई जवाब नहीं है। बीजेपी प्रवक्?ता ने कहा कि 'आप' सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया शराब घोटाले में जेल में बंद हैं। वे कहते हैं कि महज चार करोड़ ही बरामद हुए हैं। भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने कहा, एक ओर पीएम ने कहा कि भ्रष्टाचार भारत छोड़ो और इसी से घमंडी परेशान हैं। शराब घोटाले के किंग पिन केजरीवाल भी जेल जाने से घबराए हैं। संजय सिंह ने प्रेसवार्ता की। ऐसा लगा कि केजरीवाल उन्हें बोल रहे हैं, कि मुझे जेल जाने से बचा लो। ये सिसोदिया को कट्टर ईमानदार कहते थे, वे 6 माह से जेल में हैं। संजय इस तथाकथित मनघड़ंत घोटाला बोलते है। भाटिया ने शराब घोटाले की जांच के दौरान बरामद हुई रकम पर कहा, 'अपने लिए शीश महल बनवा लीजिए। अगर चार करोड़ एक जांच एजेंसी बरामद करती है, तब आप कहते हैं कि सिर्फ चार करोड़ ही हैं। उन्हें यह जानकारी भी होनी चाहिए कि ये आरोपी चार्टर्ड अकाउंटेंट है। इससे दो करोड 20 लाख नकद मिले हैं। बैंक से भी रकम सीज की गई है।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. मनमोहन कोहली को मिला पैराग्वे गणराज्य का सर्वोच्च सम्मान

सोलन । देश के जानेमाने कृषि वैज्ञानिक सोलन के डॉ. मनमोहन कोहली को हाल ही में पैराग्वे गणराज्य का सर्वोच्च सम्मान नैशनल ऑर्डर ऑफ मैरिट इन द ग्रेड ऑफ कोमैंदादोर से सम्मानित किया गया है। यह विशिष्ट सम्मान पैराग्वे गणराज्य के राष्ट्रपति की ओर से दिया गया। गौरतलब है कि यह सर्वोच्च नागरिक और सैन्य सम्मान उन व्यक्तियों को दिया जाता है जो राष्ट्र के उत्थान में अपना उल्लेखनीय योगदान देते हैं। यह सोलन ही नहीं बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। डा. मनमोहन कोहली अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार हैं और कैपेको में उन्होंने राष्ट्रीय गेहूं कार्यक्रम को लीड किया। इसका असर यह हुआ कि जो पैराग्वे गणराज्य एक दशक पहले गेहूं आयात करता था, अब वह एक करोड़ डॉलर से अधिक का गेहूं प्रतिवर्ष निर्यात कर रहा है। उन्होंने पैराग्वे गणराज्य में हरित क्रांति लाई है। उन्हें देश में फादर ऑफ व्हीट (गेहूं का पिता) कहा जाता है। डॉ. कोहली ने अपनी 10वीं तक की पढ़ाई ब्वायज सीनियर सैकेंडरी स्कूल सोलन से वर्ष 1960 में पूरी की। उसके बाद राजस्थान के उदयपुर कालेज से कृषि विज्ञान में स्नातक डिग्री और इसके बाद भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) दिल्ली से मास्टर डिग्री व पीएचडी की डिग्री हासिल की। डॉ. कोहली ने अपने व्यापक कार्य और समर्पण के माध्यम से खुद को पैराग्वे में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में स्थापित किया है। पिछले 3 दशकों में उन्होंने 20 से अधिक विशिष्ट राष्ट्रीय गेहूं किस्मों के निर्माण और उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गाजियाबाद में दिनदहाड़े वकील की हत्या, चेंबर में घुसकर हमलावरों ने सिर में मारी गोली

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में अदालत परिसर में एक वकील की अज्ञात हमलावरों ने उसके चैंबर में गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मोनू चौधरी के रूप में हुई है, जिसे बदमाशों ने उस समय गोली मार दी जब वह अपने चैंबर में खाना खा रहा था। घटना गाजियाबाद के सिहानीगेट इलाके की है। खबरों के मुताबिक, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों को पकड़ने की कोशिश जारी है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दिनेश कुमार पी, डीसीपी नगर निपुण अग्रवाल फिलहाल घटना स्थल पर मौजूद हैं। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, वकील मनोज उर्फ मोनू चौधरी दोपहर का खाना खा रहे थे, तभी दो हमलावर चैंबर 95 में घुसे और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। घटना के बाद पूरी तहसील में हंगामा मच गया। गौरतलब है कि चौधरी इससे पहले तहसील बार एसोसिएशन का चुनाव भी लड़ चुके हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच कर रही है। बदमाशों ने चैंबर में घुसकर मोनू चौधरी नाम के वकील को गोली मार दी, जिससे वकील की मौके पर ही मौत हो गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में दो हमलावरों की पहचान की गई है, जो दोपहर करीब 1-38 बजे तहसील में दाखिल हुए और रूमाल से अपना चेहरा छिपा लिया था।

वैध लाइसेंस के बिना दवाओं की ऑनलाइन बिक्री पर कार्रवाई करें केंद्र और राज्य सरकार : अदालत

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र और नगर सरकार को वैध लाइसेंस के बिना दवाओं की ऑनलाइन बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने केंद्र को उचित कदम उठाने तथा ऑनलाइन दवाओं की 卐अवैध卐 बिक्री पर अपने अंतिम रुख के बारे में अदालत को सूचित करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया।

मणिपुर हिंसा के 150 दिन हो गए, पीएम को दौरा करने का समय नहीं : चिदंबरम

-कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने विधानसभा के एक दिवसीय सत्र के स्थगन पर ली चुटकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने बुधवार को मणिपुर विधानसभा के एक दिवसीय सत्र के स्थगन पर चुटकी लेते हुए कहा कि हिंसा को 150 दिन हो गए लेकिन पीएम को दौरा करने तक का समय नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सदन को राज्य में जातीय हिंसा को छोड़कर सब कुछ याद है। चिदंबरम ने एक ट्वीट में कहा कि मणिपुर विधानसभा ने एक सत्र आयोजित किया जो 30 मिनट के स्थगन को छोड़कर, पूरे 15 मिनट तक चला। हिंसा से प्रभावित दो समूहों में से एक कुकी का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक इसमें शामिल नहीं होते क्योंकि उन्हें अपनी सुरक्षा का डर है। विधानसभा को चल रही हिंसा को छोड़कर सब कुछ याद है। रिपोर्टों के अनुसार, एक ही दिन में दो लोग मारे गए और सात घायल हो गए। फिर भी, मणिपुर में संविधान का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए कहा, मणिपुर में हिंसा भड़के 150 दिन हो गए हैं और प्रधानमंत्री को राज्य का दौरा करने का समय नहीं मिला है। कांग्रेस नेता की टिप्पणी मणिपुर विधानसभा के बहुप्रतीक्षित एकल-दिवसीय सत्र के एक दिन बाद आई है, जिसे विधानसभा अध्यक्ष थोकचोम सत्यब्रत सिंह ने कार्यवाही शुरू होने के एक घंटे के भीतर अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया था।

कार्यवाही तब शुरू हुई जब कांग्रेस विधायकों ने सत्र को कम से कम पांच दिनों के लिए बढ़ाने की मांग करते हुए सदन में हंगामा किया। अपने विधायक दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने सदन को बताया कि राज्य में 3 मई से हो रही अभूतपूर्व जातीय हिंसा पर चर्चा करने के लिए एक दिन पर्याप्त नहीं है। सदन की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद, पिछले 120 दिनों से गैर-आदिवासी मैतेई और आदिवासी कुकी के बीच जातीय हिंसा में मारे गए लोगों के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

कहा जा रहा है कि विधानसभा सत्र महत्वपूर्ण था, क्योंकि 3 मई को जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 170 से अधिक लोग मारे गए हैं और 700 से अधिक अन्य घायल हो गए, जब मेइतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किया गया था। जातीय संघर्ष के कारण, विभिन्न समुदायों के लगभग 70,000 पुरुष, महिलाएं और बच्चे विस्थापित हो गए हैं और अब वे मणिपुर में स्कूलों, सरकारी भवनों और सभागारों में स्थापित 350 शिविरों में शरण लिए हुए हैं।

बहनजी की अपील, इंडिया में शामिल नहीं हो रही बसपा, प्लीज भ्रम ने फैलाए

लखनऊ । यूपी की पूर्व सीएम और बसपा सुप्रीमो मायावती ने आगामी चुनावों में किसी भी दल के साथ गठबंधन से साफ इनकार किया है। मायावती ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साल के आखिर में 4 राज्यों में होने वाले चुनाव या अगले साल प्रस्तावित लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी। बसपा अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। बहनजी ने एनडीए और 'इंडिया', दोनों गठबंधन को गरीब विरोधी करार दिया। मायावती ने जानकारी दी कि, 'एनडीए व इंडिया गठबंधन अधिकतर गरीब-विरोधी जातिवादी, साम्प्रदायिक, धन्नासेठ-समर्थक व पूंजीवादी नीतियों वाली पार्टियां हैं, जिनकी नीतियों के विरुद्ध बीएसपी अनवरत संघर्षरत है और इसकारण इन दलों से गठबंधन करके चुनाव लड़ने का सवाल ही पैदा नहीं होता। अतः मीडिया से अपील-नो फेक न्यूज प्लीज। उन्होंने कहा, 'बीएसपी, विरोधियों के जुगाड़/जोड़तोड़ से ज्यादा समाज के टूटे/बिखरे हुए करोड़ों उपेक्षितों को आपसी भाईचारा के आधार पर जोड़कर उनके गठबंधन से सन् 2007 की तरह अकेले आगामी लोकसभा तथा चार राज्यों में विधानसभा का आम चुनाव लड़ेगी। मीडिया बार-बार भ्रान्तियां न फैलाए।

इंडिया की बैठक से पहले आप प्रवक्ता ने कहा, केजरीवाल हो गठबंधन के पीएम उम्मीदवार

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंडिया गठबंधन की बैठक 31 और 1 सितंबर को मुंबई में होने जा रही है। इसके पहले आम आदमी पार्टी की ओर से अपने संयोजक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को विपक्षी गठबंधन के प्रधानमंत्री चेहरे के रूप में पेश करने की इच्छा जाहिर की गई है। आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा, 'अगर आप मुझसे पूछें तब मैं चाहूंगी कि केजरीवाल प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बने।

आप प्रवक्ता कक्कड़ ने अपने नेता केजरीवाल को विपक्षी गठबंधन का प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनाने के सुझाव के पीछे तर्क दिया, 'इतनी कमरतोड़ महंगाई में भी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सबसे कम महंगाई है। यहां मुफ्त पानी, मुफ्त शिक्षा है। मुफ्त बिजली, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थयात्रा है। फिर भी एक सरप्लस बजट पेश किया गया है। वह लोगों के मुद्दों को उठाते हैं और सत्ताधारी दल के लिए एक चुनौती के रूप में उभरे हैं।

इंडिया गठबंधन की मुंबई बैठक में शामिल होने के लिए 31 अगस्त को समान विचारधारा वाले दलों के नेता मुंबई में जुटने वाले हैं। शाम 6 से 6-30 बजे तक सभी गठबंधन सहयोगियों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया जाएगा। इसके बाद एक अनौपचारिक बैठक ?होगी। रात आठ बजे डिनर का आयोजन रखा गया है, जिसकी मेजबानी शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे करने वाले है। अगले दिन यानी 1 सितंबर को औपचारिक बैठक होगी, जिसमें गठबंधन का लोगो जारी किया जा सकता है। यह भी उम्मीद है कि कुछ और क्षेत्रीय राजनीतिक दल मुंबई में 26-पार्टियों के विपक्षी गठबंधन में शामिल हो सकती है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, हम मुंबई में आगामी बैठक के दौरान अगले साल के आम चुनावों के लिए इंडिया ब्लॉक की रणनीतियों पर चर्चा करने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'सीट-बंटवारे जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी और कई अन्य एजेंडों को अंतिम रूप दिया जाएगा। कुछ और राजनीतिक दल हमारे गठबंधन में शामिल हो सकते हैं। मैं 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले अधिकतम संख्या में दलों को एकजुट करना चाहता हूं। मैं उस दिशा में काम कर रहा हूं। मुझे अपने लिए किसी पद की इच्छा नहीं है।

कांग्रेस पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी भी इस बार मुंबई में इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल होंगी। वहीं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी इंडिया गठबंधन की तीसरी बैठक में अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। विपक्षी गठबंधन की पहली बैठक पटना और दूसरी बैठक बेंगलुरु में आयोजित की गई थी।

भाजपा का अहंकार हम भाई-बहन जनता के साथ मिलकर तोड़ेंगे: प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने राहुल गांधी के साथ खुद के झगड़े संबंधी भारतीय जनता पार्टी के नेता अमित मालवीय के दावे को खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि उनके और बड़े भाई के बीच सिर्फ़ प्रेम, विश्वास, आदर और वफ़ादारी का रिश्ता है तथा यह हमेशा के लिए है। उन्होंने यह दावा भी किया कि वह और राहुल गांधी देश की जनता के साथ मिलकर भाजपा के झूठ और अहंकार को तोड़ेंगे। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने मंगलवार को 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट कर आरोप लगाया कि कांग्रेस में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के बीच घमासान चल रहा है।

मालवीय द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाद्रा के एक बयान का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि सोनिया गांधी 'पुत्रमोह में' अपनी पुत्री को आगे नहीं बढ़ने दे रही हैं तथा सिर्फ अपने पुत्र राहुल गांधी को ही राजनीति में आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं ताकि वह प्रधानमंत्री बन सकें। वीडियो में दावा किया गया है, ''सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी को चुनाव लड़ने से रोक रखा है। यह बात प्रियंका गांधी के पति को समझ में आ गई है।'' रॉबर्ट वाद्रा ने हाल ही में कहा था कि प्रियंका गांधी संसद में बैठने की हकदार हैं। प्रियंका गांधी ने भाजपा नेता के इस वीडियो का उल्लेख किए बगैर सत्तारूढ़ पार्टी पर पलटवार किया। प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भाजपा वालों, महंगाई और बेरोजगारी के इस दौर में यही बकवास मुद्दा बचा है? सॉरीज़ मगर आपके छोटे दिमाग का यह सपना कभी साकार नहीं होगा। मेरे भाई और मेरे बीच एक दूसरे के प्रति सिर्फ़ प्रेम, विश्वास, आदर और वफ़ादारी है और हमेशा के लिए रहेगी।'' उन्होंने कहा, ''वैसे घबराओ मत, आपके झूठ, लूट और खोखले प्रचार के अहंकार को हम दोनों बहन-भाई - देश के करोड़ों बहन-भाइयों के साथ मिलकर तोड़ेंगे। रक्षा बंधन की शुभकामनाएं। भाई-बहन के बीच प्रेम का उत्सव है, इसे सकारात्मक भाव से मनाइयेगा।

अनुच्छेद-370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को खत्म करना महत्वपूर्ण मुद्दा है : पीडीपी

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने बुधवार को कहा कि केंद्र द्वारा अनुच्छेद-370 के तहत जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्जे को खत्म करना एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, न कि राज्य के दर्जे को बहाल करना। पार्टी की यह टिप्पणी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा उच्चतम न्यायालय में दिए गए तर्क के बाद आई है। मेहता ने अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के खिलाफ चल रही सुनवाई के दौरान मंगलवार को न्यायालय से कहा कि जम्मू-कश्मीर का केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा ''स्थायी नहीं'' है और सरकार 31 अगस्त को राज्य का दर्जा बहाल करने को लेकर विस्तृत बयान देगी। पीडीपी के मुख्य प्रवक्ता सुहैल बुखारी ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं के केंद्रबिंदु को बदलना चाहती है। उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि भाजपा और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) का शासन शुरुआत से ही जम्मू-कश्मीर की महत्वकांक्षा के केंद्र को बदलना चाहता है। हम कश्मीर मुद्दे के समाधान के बारे में बातचीत करते थे। इसके बाद, उन्होंने राज्य का दर्जा छीन केंद्रशासित प्रदेश बना दिया, उसके बाद चुनाव भी नहीं कराए जा रहे हैं।'' बुखारी ने कहा, ''वे (भाजपा/आरएसएस) लक्ष्य को बदलना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि हम परिस्थितियों के आगे आत्मसमर्पण कर दें ताकि हम उन परिस्थितियों में केवल चुनाव कराने की बात करें या ऐसे ही रहें।'' उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि जनता राज्य के दर्जे की बहाली की बात करे, न कि इसके विशेष दर्जे को फिर से कायम करने की।

पीडीपी प्रवक्ता ने कहा, ''पार्टी जम्मू-कश्मीर मुद्दे के समाधान की मांग करती है, जो भी पांच अगस्त (2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त करने का फैसला) को हुआ उससे जम्मू-कश्मीर की समस्या और जटिल हो गई है। अदालत के सामने सवाल है कि भारत सरकार ने एकतरफा, अवैध और असंवैधानिक तरीके से जिस विशेष दर्जे को छीन लिया क्या वह हमारा अधिकार था या नहीं-राज्य का दर्जा बहाल करना या केंद्रशासित प्रदेश ही रहे यह बहुत अहम नहीं है।'' विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' की बृहस्पतिवार को मुंबई में होने वाली बैठक के बारे में पीडीपी प्रवक्ता ने कहा कि उनकी पार्टी इसमें सकारात्मक तरीके से सहयोग करेगी।

ज्ञानवापी मामले में आया नया मोड़, अब वजूखाने के भीतर भी एएसआई सर्वे की मांग

-विश्व वैदिक सनातन संघ संस्था की संस्थापक सदस्य राखी सिंह ने लगाई कोर्ट में याचिका

वाराणसी (एजेंसी)। ज्ञानवापी मामले में उस वक्त नया मोड़ आ गया जब विश्व वैदिक सनातन संघ संस्था की संस्थापक सदस्य राखी सिंह ने याचिका लगाकर वजूखाने का भी वैज्ञानिक सर्वे कराने की मांग कर डाली। बता दें कि वाराणसी में ज्ञानवापी का मुद्दा खूब गरमाया हुआ है। इस समय ज्ञानवापी परिसर का एएसआई सर्वे चल रहा है। सर्वे टीम वहां की तमाम चीजों को खंगाल रही हैं। एएसआई की रिपोर्ट के आधार पर श्रृंगार गौरी केस में अहम मोड़ आ सकता है। हिंदू पक्ष की ओर से मस्जिद परिसर में मंदिर होने के दावों के बीच एएसआई सर्वे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एएसआई सर्वे के बीच वाराणसी कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है। श्रृंगार गौरी केस में याचिकाकर्ता राखी सिंह की ओर से जिला जज के यहां आवेदन देकर ज्ञानवापी मस्जिद वजूखाने का भी एएसआई से वैज्ञानिक सर्वे कराने की मांग की गई है। दरअसल, एएसआई सर्वे को लेकर वाराणसी कोर्ट की ओर से ज्ञानवापी परिसर के वजूखाने को छोड़कर अन्य भागों का सर्वे कराने का आदेश दिया था। इसी आदेश को इलाहाबाद हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा।

बता दें कि ज्ञानवापी के वजूखाने में एडवोकेट कमिश्नर की अगुआई में कराए गए सर्वे के दौरान 16 मई 2022 को शिवलिंग की आकृति जैसी संरचना मिली थी। हिंदू पक्ष की ओर से इसे शिवलिंग बताया गया। वहीं, मुस्लिम पक्ष इसे फव्वारा कहता रहा है। विवाद गहराने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस स्थल को सील करने का आदेश दिया है। वहां पर सुरक्षा बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। ऐसे में कोर्ट की ओर से सील स्थल का सर्वे नहीं कराने का आदेश दिया गया था। अब राखी सिंह की ओर से दायर याचिका में वजूखाने का सर्वे भी कराने की मांग की गई है।

हालांकि कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए इस पर 8 सितंबर को सुनवाई की तारीख तय की है। वाराणसी जिला जज ने चार याचिकाकर्ताओं की ओर से दायर श्रृंगार गौरी पूजन की याचिका पर सुनवाई के दौरान 21 जुलाई को परिसर के एएसआई सर्वे का आदेश दिया था। राखी सिंह के वकील अनुपम द्विवेदी ने कहा कि मंगलवार को अदालत के समक्ष 62 पेज की एक अर्जी दायर की है। इसमें हमने अपना पक्ष रखा है। 16 मई 2022 को वजूखाना में शिवलिंग मिला था, उसका सर्वे कराए जाने की जरूरत को हमने बताया है।

प्रज्ञान ने पहली बार ली विक्रम की तस्वीर, इसरो ने सोशल मीडिया पर जारी की तस्वीर

बेंगलुरु (एजेंसी)। (ईएमएस)। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में सॉफ्ट लैंडिंग के बाद प्रज्ञान रोवर लैंडर विक्रम से नीचे उतरकर अपने काम में लगा हुआ है। प्रज्ञान अब तक एक टेरा बाइट से अधिक डेटा भेज चुका है। साथ ही चंद्रमा की सतह के टेम्परेचर प्रोफाइल को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारियां भेजी हैं। अब तक विक्रम लैंडर ने प्रज्ञान रोवर की तस्वीरें भेजी थीं, लेकिन अब पहली बार प्रज्ञान ने विक्रम की तस्वीर ली है, इस तस्वीर को इसरो ने जारी किया है।

इसरो ने ट्वीट में लिखा, 'स्माइल प्लीज! प्रज्ञान रोवर ने बुधवार की सुबह विक्रम लैंडर की एक तस्वीर क्लिक की। फोटो रोवर प्रज्ञान पर लगे नेविगेशन कैमरे द्वारा ली गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि चंद्रयान-3 के एक अन्य उपकरण ने चंद्रमा पर कई तत्वों की मौजूदगी का पता लगाया है। विशेष रूप से, इसतरह के संकेत प्राप्त किए हैं, जो चांद पर सल्फर की उपस्थिति की पुष्टि करते हैं जिनका प्रत्यक्ष प्रमाण अभी तक उपलब्ध नहीं था।

इसके पहले इसरो ने कहा, चंद्रयान-3 के रोवर प्रज्ञान पर लगे लेजर-प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोपी उपकरण ने दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्र सतह की मौलिक संरचना पर पहली बार इन-सीटू मेजरमेंट किया है। ये इन-सीटू मेजरमेंट स्पष्ट रूप से क्षेत्र में सल्फर (एस) की उपस्थिति की पुष्टि करते हैं, यह कुछ ऐसा है जो ऑर्बिटर पर लगे उपकरणों द्वारा संभव नहीं था। प्रारंभिक विश्लेषण ने चंद्र सतह पर एल्युमीनियम, सल्फर, कैल्शियम, आयरन, क्रोमियम, और टाइटेनियम की उपस्थिति का खुलासा किया है। आगे के इन-सीटू मेजरमेंट से मैंगनीज (एमएन), सिलिकॉन (सी), और ऑक्सीजन (ओ) की उपस्थिति का पता चला है। हाइड्रोजन की उपस्थिति के संबंध में गहन जांच चल रही है।

चंद्रमा पर विभिन्न तत्वों की उपस्थिति और प्रचुरता के बारे में जानकारी इकट्ठा करना चंद्रयान-3 मिशन के प्रमुख विज्ञान उद्देश्यों में से एक है, इस दिशा में एक से अधिक उपकरण काम कर रहे हैं। रोवर प्रज्ञान पर एलआईबीएस उपकरण, जिसे इसरो की इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स सिस्टम लेबोरेटरी द्वारा विकसित किया गया है, चट्टानों या मिट्टी से प्लाज्मा उत्पन्न करने के लिए एक हाई-एनर्जी पल्सर का उपयोग करता है।

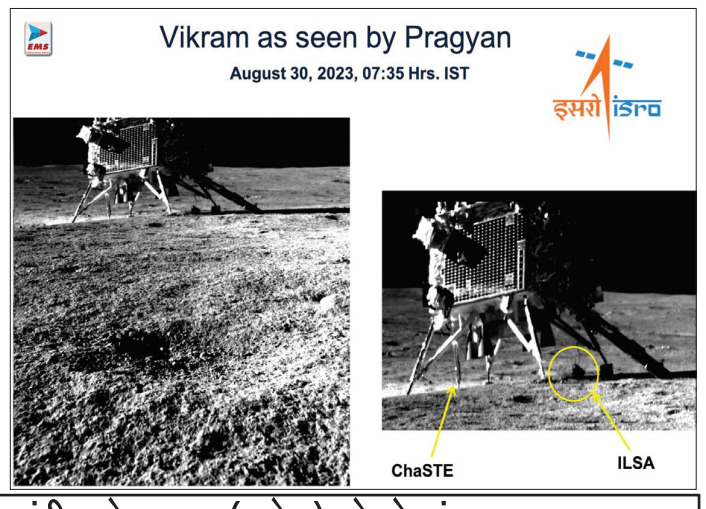

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

चंद्रयान 3 की डिजाइन बनाने वाले फर्जी व्यक्तिको क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,इसरो के चंद्रयान-3 मिशन के लैंडर के डिजाइन बनाने का दावा करने मितुल त्रिवेदी को सूरत सिटी पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि त्रिवेदी के दावों को इसरो के अधिकारियों ने सिरे से खारिज कर दिया है, इसके कारण उसकी गिरफ्तारी हुई। त्रिवेदी ने हाल ही में चंद्रयान-3 के लैंडर के डिजाइन के पीछे एक प्रमुख व्यक्तिहोने के अपने दावे को लेकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया, उन्होंने दावा किया कि इनोवेशन ने लैंडिंग पर धूल के बिखरने को रोका। पुलिस ने शुरूमें त्रिवेदी को वेरिफिकेशन के लिए बुलाया था, लेकिन अपने दावों को साबित करने में असमर्थता के चलते मामला क्राइम ब्रांच ने देखा। वहीं बेंगलुरु स्थित इसरो मुख्यालय ने अंतरिक्ष एजेंसी के साथ उसके इस दावे का खंडन किया। पुलिस ने त्रिवेदी की क्वालिफिकेशन की जांच की। उनके दावे प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूशन में एकेडमिक के दावों तक विस्तारित हुए, इनमें क्वांटम फिजिक्स के लिए कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और एंथ्रोपोलॉजी और वेदांत के लिए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी शामिल हैं,

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में मनाया रक्षाबंधन पर्व मनाया गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रक्षाबंधन के पवित्र त्यौहार के अवसर पर बुधवार को गांधीनगर में भाई-बहन के पवित्र प्रेम की अभिव्यक्ति के पर्व को राज्य की बहनों के साथ मनाया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री सुश्री भानुबेन बाबरिया, महिला विधायकों और महिला पुलिसकर्मियों सहित राज्य के कोने-कोने (विभिन्न हिस्सों) से आई बहनों ने मुख्यमंत्री को रक्षासूत्र बांधकर उन्हें दीर्घायु का आशीर्वाद दिया तथा जनता के लिए कल्याणकारी कार्यों हेतु बधाई दी। इस उत्सव के दौरान अहमदाबाद के घाटलोडिया क्षेत्र में स्थित साधना विनय मंदिर के विद्यार्थियों द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की गई जी20 और चंद्रयान-3 जैसे विभिन्न विषयों को दर्शाती 325 फीट लंबी राखी आकर्षण का केंद्र बनी। लगभग 42 विद्यार्थियों ने 8 दिन के भीतर करीब 100 मीटर कपड़े के उपयोग से यह राखी बनाई है, जिसमे भारत और गुजरात की अस्मिता, भारत की G20 अध्यक्षता, चंद्रयान-3 की सफलता जैसे विभिन्न विकास विषयों को शामिल किया गया है।

तालाब में डूबने से दो भाइयों की मौत, रक्षाबंध के दिन बहनों ने गंवाए अपने भाई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरेन्द्रनगर, रक्षाबंधन के मौके पर चार बहनों ने अपने दो भाई गंवा दिए। हृदय विदारक यह घटना सुरेन्द्रनगर जिले के ढांकी की है। जहां दो भाई पशु चराने गए थे। जहां खेत तालाब में डूबने से दोनों की मौत हो गई। मृतकों के शवों को तालाब से बाहर निकाल लिया गया। घटना को लेकर पुलिस जांच कर रही है। रक्षाबंधन के अवसर दो बेटों की मौत से परिवार आसमान टूट पड़ा। रक्षाबंधन पर जो चार बहनें अपने भाइयों को राखी बांधने का इंतजार कर रही थीं, उनके आक्रंद ने सभी को रूला दिया।

शराब के नशे में धुत्त एक और रईशजादे ने तीन वाहनों को उड़ाया, पैडल रिक्शा चालक जख्मी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

खेडा,राज्य में सड़क दुर्घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। तेज रफ्तार वाहन निर्दोष को अपना शिकार बना रहे हैं। नडियाद में तेज रफ्तार कार ने पैडल रिक्शा समेत तीन वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। राहत की बात है कि इसमें कोई जानहानि तो नहीं हुई। पैडल रिक्शा चालक बुरी तरह घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक खेडा जिले के नडियाद में कॉलेज रोड स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल के सामने तेज रफ्तार स्वीफ्ट कार ने पैडल रिक्शा समेत तीन वाहनों को उड़ा दिया। जिसके बाद बेकाबू कार रोड डिवाइडर और बिजली के खंभे से टकरा गई। भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई इस दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस घटना में पैडल रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। खबर मिलते ही नडियाद शहर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और कार चालक से पूछताछ की। कार चालक शराब के नशे में धुत्त था और उसकी गाड़ी से भी शराब की एक बोतल मिली है। पुलिस ने कार चालक रवि सिंघ नामक शख्स को गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ ड्रिंक एन्ड ड्राइव समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरूकी।

गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी की वाहन चालकों को नसीहत- सड़क को रेसिंग ट्रेक ना बनाएं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने रक्षाबंधन के अवसर पर आज अंधाधुंध वाहन चलाने वालों को नसीहत दी। उन्होंने कहा कि वाहन चालक सड़क को रेसिंग ट्रेक बनाने से बाज आएं। दरअसल राज्य में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को लेकर राज्य सरकार चिंतित है और इसके रोकथाम के लिए काफी प्रयास भी किए जा रहे हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर सूरत में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे हर्ष संघवी ने वाहन चालकों को नसीहत दी। उन्होंने कहा कि राज्य की सड़कों को रेसिंग ट्रेस ना बनाएं, आपको मोटर साइकिल मिली है उसे जिम्मेदारीपूर्वक चलाएं। क्योंकि आपकी माता और बहनें घर में आपकी प्रतीक्षा करती हैं, जिन्हें ध्यान में रखते हुए वाहन चलाएं। केवल अपनी सुरक्षा के लिए ही नहीं बल्कि सड़क पर चलनेवाले अन्य राहगिरों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदारीपूर्वक वाहन चलाने का हम सभी संकल्प लें। ताकि समाज में एक बेहतर संदेश जाए।

नाबालिग लड़की जिसे अपना भाई मानती थी उसने अश्लील वीडियो से भरा मोबाइल गिफ्ट किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,रक्षा बंधन भाई-बहन के पवित्र रिश्तों का पर्व है और इसके पूर्व संध्या पर सूरत से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। नाबालिग लड़की जिसे अपना भाई मानती थी उसने अश्लील वीडियो से भरा मोबाइल गिफ्ट भाई-बहन के संबधों को शर्मशार कर दिया। मामला पुलिस थाने पहुंचने पर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही शुरूकी है। घटना सूरत के डिंडोली क्षेत्र की है, जहां एक परिवार दो संतानों के साथ रहता है। जिसमें एक बेटा और एक बेटी है। 17 वर्षीय बेटी कक्षा 12 की छात्रा है। पड़ौस में रहनेवाले मयूर शर्मा का इस परिवार के घर आना जाना था। मयूर शर्मा की नीयत परिवार की बेटी को लेकर ठीक नहीं थी। नाबालिग लड़की जब स्कूल जाती तो मयूर उसका पीछा करता था और उसे परेशान कर अपने प्रेमजाल में फंसाने का प्रयास करता। हांलाकि लड़की मयूर शर्मा को अपना भाई मानती रही। दस दिन पहले मयूर ने लड़की को मोबाइल गिफ्ट किया। मोबाइल गिफ्ट करने से पहले मयूर में उसमें पांच अश्लील वीडियो डाउनलोड किए गए थे। जिससे लड़की मयूर शर्मा की नीयत को समझ गई और उसने अपने परिवार को बता दिया।

जिसके बाद पिता बेटी को लेकर थाने पहुंच गए और मयूर शर्मा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस ने आरोपी मयूर शर्मा को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरूकर दी।

14 साल के विद्यार्थी से अप्राकृतिक यौन शोषण करने वाला होस्टेल का गृहपति गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट,शिक्षा जगत को शर्मशार करने वाली एक और घटना राजकोट से सामने आई है। जिसमें एक होस्टेल का गृहपति 14 वर्षीय किशोर को अश्लील वीडियो दिखाता और उसका अप्राकृतिक यौन शोषण करता था। किशोर किसी से ना बताए इसके लिए उसकी बेल्ट से पिटाई भी करता था। घटना सामने आने के बाद पीड़ित किशोर की परिजनों की शिकायत के आधार पर राजकोट की मालवियानगर पुलिस ने मामला दर्ज आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट में लेउवा पटेल बोर्डिंग में रहनेवाला 14 वर्षीय किशोर कक्षा 8 का विद्यार्थी है। जिसे होस्टेल का गृहपति ने इतना पीटा कि उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। परिवार और पुलिस की पूछताछ में पहले किशोर ने बताया कि उसके दोस्तों ने मारपीट की थी। लेकिन बाद में परिवार ने बताया कि होस्टेल का गृहपति हसमुख वसोया पिछले काफी समय से किशोर को अपने मोबाइल में अश्लील वीडियो दिखाता और उसके साथ अप्राकृतिक यौन शोषण कर रहा था। इतना ही नहीं हसमुख वसोया किशोर की बेल्ट से बुरी तरह पिटाई भी करता था, जिससे वह किसी से शिकायत ना करे। हसमुख वसोया ने किशोर को धमकी दे रखी थी कि अगर उसने किसी से कुछ बताया तो वह उसे जान से मार देगा। गत सोमवार को रोज के तरह हसमुख वसोया ने किशोर के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म किया और उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इस घटना में गंभीर रूप से घायल होने पर किशोर को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पीड़ित की शिकायत के आधार पर राजकोट की मालवियानगर पुलिस ने हसमुख वसोया को गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ पोक्सो-6/12 और 377, 506 समेत विभिन्न दफाओं के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। पुलिस यह भी जांच करेगी कि हसमुख वसोया ने अब तक कितने विद्यार्थियों को अपनी हवस का शिकार बनाया है। लेउवा पटेल होस्टेल में 330 जितने विद्यार्थी रहते हैं और हसमुख वसोया वर्ष 2009 से यहां बतौर गृहपति के तौर कार्यरत है।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141480 या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com